बर्षः- 06
अंकः- 44
मुरादाबाद
(Tuesday)
02 June 2026
पृष्ठः-8
मूल्यः- 3.00 रूपया

दैनिक प्रातः कालीन

क्यूँ न लिखूँ सच

राष्ट्रीय हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र
भारत सरकार से रजिस्टर्ड
RNI No.UPBIL/2021/83001
मुरादाबाद से प्रकाशित
प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

हैदराबाद हाउस में भारत-म्यांमार वार्ता, पीएम मोदी ने राष्ट्रपति ह्लाइंग से की मुलाकात

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नई दिल्ली में म्यांमार के राष्ट्रपति मिन आंग ह्लाइंग से मुलाकात कर द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने पर चर्चा की। राष्ट्रपति के रूप में यह उनकी पहली भारत यात्रा है।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को नई दिल्ली स्थित हैदराबाद हाउस में म्यांमार के राष्ट्रपति मिन आंग ह्लाइंग के साथ द्विपक्षीय वार्ता की। राष्ट्रपति मिन आंग ह्लाइंग 30 मई से 2 जून तक भारत की यात्रा पर हैं। यह यात्रा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के निमंत्रण पर हो रही है।राष्ट्रपति के रूप में मिन आंग ह्लाइंग की यह पहली भारत यात्रा है। उनके साथ कैबिनेट मंत्रियों, वरिष्ठ अधिकारियों और प्रमुख कारोबारी नेताओं का एक उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल भी भारत आया है।अजित डोभाल और एस जयशंकर ने भी की राष्ट्रपति से मुलाकात- इससे पहले रविवार को राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोभाल ने म्यांमार के राष्ट्रपति से मुलाकात की। विदेश मंत्रालय के आधिकारिक प्रवक्ता रणधीर जयसवाल ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर इसकी जानकारी देते हुए कहा कि एनएसए अजीत डोभाल ने राष्ट्रपति मिन आंग ह्लाइंग से भेंट की।वहीं, शनिवार को विदेश मंत्री एस जयशंकर ने भी म्यांमार के राष्ट्रपति से मुलाकात की थी। जयशंकर ने एक्स पर पोस्ट कर कहा कि उन्होंने राष्ट्रपति मिन आंग ह्लाइंग से नई दिल्ली में मुलाकात की और दोनों देशों के बीच लंबे समय से चले आ रहे द्विपक्षीय सहयोग को और मजबूत बनाने के प्रति उनके सकारात्मक दृष्टिकोण की सराहना की। उन्होंने कहा कि वह प्रधानमंत्री मोदी और म्यांमार के राष्ट्रपति की बैठक को लेकर आशान्वित हैं, जो शांति, प्रगति और समृद्धि के लिए दोनों देशों की साझेदारी को आगे बढ़ाएगी।दिल्ली पहुंचने से पहले कहां गए राष्ट्रपति मिन-मिन आंग ह्लाइंग नई दिल्ली पहुंचने से पहले बिहार के बोधगया में विभिन्न कार्यक्रमों में शामिल हुए थे। शनिवार को वह बोधगया पहुंचे, जहां विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने भारत और म्यांमार के बीच सभ्यतागत और आध्यात्मिक संबंधों को रेखांकित करते हुए उनके दौरे का स्वागत किया। भारत पहुंचने के तुरंत बाद राष्ट्रपति मिन आंग ह्लाइंग ने बोधगया स्थित महाबोधि मंदिर में दर्शन किए। यह बौद्ध धर्म का एक प्रमुख तीर्थस्थल और यूनेस्को की विश्व धरोहर सूची में शामिल स्थल है। साप्ताहिक प्रेस वार्ता के दौरान रणधीर जायसवाल ने कहा था कि प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रपति मिन आंग ह्लाइंग के बीच होने वाली वार्ता में द्विपक्षीय संबंधों से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर व्यापक चर्चा की जाएगी।

संक्षिप्त समाचार

डीजीपी राजीव कृष्ण ने पेश किया एक साल का रिपोर्ट कार्ड, बोले- अपराधियों पर जीरो टॉलरेंस जारी रहेगी

स्थायी नियुक्ति के बाद डीजीपी राजीव कृष्ण ने राजधानी लखनऊ स्थित अपने आवास पर प्रेसवार्ता की। उन्होंने अपने कार्यकाल के एक साल का रिपोर्ट कार्ड पेश किया। कहा कि अपराधियों पर जीरो टॉलरेंस जारी रहेगी।उत्तर प्रदेश के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) राजीव कृष्ण ने सोमवार को अपने कार्यकाल का एक वर्ष पूरा होने पर पुलिस मुख्यालय में प्रेसवार्ता कर कानून-व्यवस्था और पुलिसिंग से जुड़ी उपलब्धियां गिनाईं। उन्होंने कहा कि बीते एक वर्ष के दौरान 10 प्रमुख प्राथमिकताओं पर काम किया गया। इसमें महिला सुरक्षा, साइबर अपराध नियंत्रण, पुलिस कल्याण और संगठित अपराध पर कार्रवाई प्रमुख रही।डीजीपी ने कहा कि प्रदेश में अपराधियों के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति के तहत लगातार कार्रवाई की गई है। पिछले सात-आठ वर्षों में अपराध के आंकड़ों में कमी आई है। मिशन शक्ति अभियान के तहत महिला सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी गई। पुलिसकर्मियों को विशेष प्रशिक्षण दिया गया और दहेज उत्पीड़न, घरेलू हिंसा व महिलाओं से जुड़े अपराधों के प्रति जागरुकता बढ़ाई गई। उन्होंने दावा किया कि महिलाओं के खिलाफ अपराधों में 9.5 से 33 प्रतिशत तक कमी दर्ज की गई है।साइबर अपराध को बड़ी चुनौती बताते हुए डीजीपी ने कहा कि कोरोना काल के बाद ऑनलाइन अपराध तेजी से बढ़े हैं। 62 हजार से अधिक पुलिसकर्मियों को प्रशिक्षण दिया गया है।

सीएम योगी का जनता दर्शन: बच्चे से बोले सीएम- तुम पढ़ाई पर ध्यान दो, बाकी चीजें हम पर छोड़ दो;हम देख लेंगे

सीएम योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को जनता दर्शन कार्यक्रम में भाग लिया। इस मौके पर उन्होंने पीड़ित लोगों से मुलाकात कीमुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को 'जनता दर्शन' किया। उन्होंने प्रदेश भर से आए लोगों से मुलाकात की, उनके प्रार्थना पत्र लिए और उचित कार्रवाई के लिए आश्वस्त किया। राजस्व व पुलिस से जुड़े मामलों को मुख्यमंत्री ने सुना और संबंधित अधिकारियों को प्रार्थना पत्र देते हुए कहा कि आमजन की समस्याओं का निस्तारण समयसीमा के भीतर हो, विलंब होने पर संबंधित अधिकारी की जवाबदेही भी तय की जाए। सीएम योगी ने कुछ बच्चों से शिक्षा के बारे में भी पूछा और अभिभावकों से कहा कि बच्चों को स्कूल अवश्य भेजें, क्योंकि पढ़ा-लिखा बच्चा ही सशक्त भारत की नींव है। समयसीमा के भीतर हो समस्या का समाधान - मुख्यमंत्री जी के समक्ष राजस्व व पुलिस से जुड़े भी कुछ मामले आए। मुख्यमंत्री ने उनका संज्ञान लिया और कहा कि लंबित राजस्व वादों का समयसीमा के भीतर निस्तारण किया जाए। छह महीने से अधिक लंबित वादों के कारणों की समीक्षा की जाए। उचित कारण न होने पर भी यदि निस्तारण में विलंब होता है तो संबंधित के खिलाफ कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। जरूरतमंद लोगों के चेहरे पर खुशी लाना शासन-प्रशासन का दायित्व - मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार की प्राथमिकता है कि हर जरूरतमंद की समस्या का समाधान हो। अधिकारी पूरी संवेदनशीलता से सुनिश्चित करें कि बिना भेदभाव सभी को न्याय और हर पात्र को योजनाओं का लाभ मिले, जरूरतमंदों के समुचित इलाज की व्यवस्था हो। जरूरतमंद के चेहरे पर खुशहाली लाना शासन-प्रशासन का दायित्व है। बेटा ! तुम सिर्फ पढ़ाई करो, बाकी हम पर छोड़ दो - हापुड़ से एक बच्ची अपने अभिभावक के साथ आई थी। उसने अपने परिवार की माली स्थिति का जिक्र किया। मुख्यमंत्री ने पूछा कि किस क्लास में हो, इस पर बच्ची ने कक्षा-7 बताया और आगे की पढ़ाई में आने वाली बाधाओं का भी जिक्र किया। इस पर मुख्यमंत्री ने कहा कि घर जाओ और सिर्फ पढ़ाई करो, बाकी हम पर छोड़ दो। अभिभावक से कहा कि शिक्षित बच्चा ही सशक्त भारत की नींव है। अधिकारी आपसे संपर्क करेंगे, आप बच्चों को स्कूल अवश्य भेजें।

गलती CBSE की, सजा बच्चों को: री-इवैल्यूएशन फीस पर राहुल गांधी का सवाल, कहा- इससे कमाई कर रही है सरकार

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने सीबीएसई की पोस्ट-रिजल्ट फीस व्यवस्था पर सवाल उठाते हुए कहा कि मूल्यांकन या स्कैनिंग में हुई गलतियों को सुधारने के लिए छात्रों से शुल्क वसूला जा रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि बोर्ड की गलती का खामियाजा छात्र भुगत रहे हैं और इससे सरकार कमाई कर रही है। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने सोमवार को केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) की परीक्षा परिणामों के बाद लागू फीस व्यवस्था को लेकर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि स्कैन कॉपी, री-टोटलिंग और री-इवैल्यूएशन के लिए छात्रों से शुल्क लिया जा रहा है, जबकि कई मामलों में त्रुटियां खुद बोर्ड की प्रक्रिया में होती हैं।सोशल मीडिया मंच एक्स पर राहुल गांधी ने लिखा कि जेबकतरों से सावधान रहें, आज वे सीबीएसई के अंदर बैठे हैं। अगर सीबीएसई की गलती से अंक गलत आ जाएं तो आपको क्या मिलता है? एक बिल। डिजिटल स्कैन कॉपी के लिए 100 रुपये प्रति विषय, री-टोटलिंग के लिए 100 रुपये प्रति पेपर और री-इवैल्यूएशन के लिए 25 रुपये प्रति प्रश्न।उन्होंने कहा कि एक छात्र को अपनी आंसर सीट की सही जांच करवाने के लिए 2,000 रुपये तक खर्च करने पड़ सकते हैं। राहुल गांधी ने दावा किया कि करीब चार लाख छात्रों ने इस तरह के आवेदन किए हैं और सवाल उठाया कि इससे सीबीएसई कितनी कमाई कर रहा है।सरकार पर लगाए गंभीर आरोप - कांग्रेस नेता ने आरोप लगाया कि जब स्कैनिंग मोबाइल फोन से की जाती है तो गलत मूल्यांकन होना स्वाभाविक है और फिर उसे ठीक कराने का खर्च भी छात्र को ही उठाना पड़ता है। उन्होंने कहा कि गलती सीबीएसई की है, सजा बच्चे को मिल रही है और कमाई सरकार कर रही है। राहुल गांधी ने आगे कहा कि जब शिक्षा को सेवा के बजाय व्यवसाय में बदल दिया जाता है तो गलतियों को सुधारा नहीं जाता, बल्कि उन्हें बढ़ाया जाता है। इसका सबसे बड़ा खामियाजा बच्चों को अपने समय, आत्मविश्वास और भविष्य के रूप में चुकाना पड़ता है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि मूल्यांकन में व्यापक स्तर पर होने वाली गलतियां उन छात्रों पर अतिरिक्त बोझ डालती हैं जो अपने अंकों में सुधार या पुनर्मूल्यांकन की मांग करते हैं। सीबीएसई ने कड़ी निगरानी का दिया आश्वासन- इस बीच, ऑन-स्क्रीन मार्किंग (ह्रस्रू) मूल्यांकन प्रणाली को लेकर चल रहे विवाद के बीच रविवार को सीबीएसई ने कहा कि उसने अपने सेवा प्रदाता के ऑनमार्क पोर्टल में चिन्हित कमजोरियों पर कड़ी निगरानी रखी है और साइबर सुरक्षा विशेषज्ञों की टीम को सिस्टम मजबूत करने के लिए तैनात किया है।सीबीएसई ने एक्स पर जारी बयान में कहा कि विभिन्न सरकारी एजेंसियों और भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थानों (आईआईटी) के साइबर सुरक्षा विशेषज्ञों की टीम पिछले कुछ दिनों से पोर्टल को सुरक्षित बनाने पर काम कर रही है। बोर्ड के अनुसार, पहचानी गई कमजोरियों को नियंत्रित कर लिया गया है और यह सुनिश्चित करने के प्रयास जारी हैं कि सिस्टम में कोई अन्य ऐसी खामी न रह जाए जिसका दुरुपयोग किया जा सके। सीबीएसई ने उन जागरूक नागरिकों और एथिकल हैकर्स का भी आभार व्यक्त किया जिन्होंने संभावित सुरक्षा खामियों की जानकारी दी। बोर्ड ने कहा कि उसने इनमें से कुछ लोगों से सीधे संवाद भी किया है और उनके सुझावों को गंभीरता से लिया है।

फर्जी खातों की जांच कराएगी बंगाल सरकार, CM शुभेंदु के निर्देश- एसआईटी गठित करें डीजीपी

पश्चिम बंगाल में महिलाओं की लक्ष्मीर भंडार योजना में बड़े फर्जीवाड़े का दावा किया गया है। मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने कहा कि करीब 30 लाख खाते फर्जी पाए गए हैं। मामले की जांच के लिए एसआईटी बनाई जाएगी। सरकार का आरोप है कि महिलाओं की योजना का लाभ पुरुषों ने भी गलत तरीके से लिया।पश्चिम बंगाल में महिलाओं को आर्थिक मदद देने वाली 'लक्ष्मीर भंडार' योजना अब बड़े विवाद में घिर गई है। राज्य सरकार ने दावा किया है कि इस योजना में लाखों फर्जी खाते बनाए गए और सरकारी पैसे का गलत तरीके से इस्तेमाल हुआ। इसी मामले को लेकर मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने राज्य के पुलिस महानिदेशक को विशेष जांच दल यानी एसआईटी बनाने का निर्देश दिया है। सरकार का कहना है कि योजना के नाम पर बड़े स्तर पर गड़बड़ी हुई और अब इसकी पूरी जांच कराई जाएगी।मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने नबान्न सचिवालय में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर कहा कि लक्ष्मीर भंडार योजना में करीब 30 लाख खाते फर्जी पाए गए हैं। उन्होंने कहा कि यह सिर्फ फर्जीवाड़ा नहीं बल्कि मनी लॉन्ड्रिंग का मामला भी हो सकता है। मुख्यमंत्री के अनुसार कई ऐसे लोगों ने भी इस योजना का लाभ लिया जो इसके पात्र ही नहीं थे। उन्होंने कहा कि महिलाओं के लिए बनाई गई योजना में पुरुषों के नाम पर भी पैसे निकाले गए।मुख्यमंत्री ने दावा किया कि जांच में सामने आया है कि कई पुरुषों ने गलत दस्तावेज देकर महिलाओं की आर्थिक सहायता योजना का फायदा उठाया। उन्होंने कहा कि कुछ लोगों को गिरफ्तार भी किया जा चुका है। सरकार का आरोप है कि पुराने तृणमूल कांग्रेस शासन के दौरान इस योजना में बड़े स्तर पर लापरवाही हुई। अब सरकार गांव और वार्ड स्तर तक जांच कर फर्जी लाभार्थियों की पहचान करेगीसरकार के अनुसार एसआईटी सिर्फ फर्जी खातों की जांच नहीं करेगी बल्कि यह भी देखा जाएगा कि सरकारी पैसा किन खातों में गया और किस तरह निकाला गया। मुख्यमंत्री ने कहा कि जहां जरूरत होगी वहां मनी लॉन्ड्रिंग की जांच भी कराई जाएगी। सरकार का मानना है कि कई खातों के जरिए अवैध तरीके से पैसे ट्रांसफर किए गए। जांच एजेंसियां बैंक रिकॉर्ड और दस्तावेजों की भी जांच करेंगीमुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी ने नई अन्नपूर्णा भंडार योजना का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि नई योजना में महिलाओं को हर महीने 3 हजार रुपये तक की मदद दी जाएगी। इस योजना के लिए 12 पन्नों का सत्यापन फॉर्म रखा गया है। विपक्ष इस फॉर्म को लेकर सवाल उठा रहा है, लेकिन सरकार का कहना है कि पिछली योजना में हुई गड़बड़ियों को देखते हुए सख्त जांच जरूरी है। सरकार का दावा है कि बिना मजबूत जांच के फर्जीवाड़ा नहीं रोका जा सकता।

संपादकीय Editorial

Himachal in Water Diplomacy

The Indus Water Treaty, of national importance, has suddenly elevated Himachal's water power. The flow of Himachal's Chandra and Bhaga rivers will no longer be careless. Water flowing from the Chandra will no longer travel through Pakistan, but will instead merge with the Beas River through an 8.7-kilometer tunnel from Koksar in Lahaul-Spiti to Madhi in Manali. On the other hand, the Bhaga will flow through the Pir Panjal in Lahaul and merge into the Ravi through a tunnel. Internationally, the breakdown of the Indus Water Treaty has brought the scope of Indian thinking to Chandratal Lake. Recognizing the strength of the mountain environment, planning rethinks national construction. Divya Himachal has always placed the power of the mountains and the water resources within the mountain resources at the national level. Our advocacy is linked to water, forests, and land. It has been the strength of mountainous regions that they guarantee the country's progress through the use of the Himalayas, surrounding forests, and water resources. In this context, when water empowers diplomacy, Chandra and Bhaga dedicate the entire environment to the nation. The mountain states possess the wealth of nation-building, and this is being recorded as a legacy of Chandratal Lake. If water is a strong link in diplomacy, then water should also be Himachal's economic strength. Of course, no drop can be above the nation, but the water here, which can spoil Pakistan's appearance, should have the first right to be improved by it. Clearly, Chandratal Lake, which will eventually drain into the Beas and Ravi, could prove to be an economic boon for Himachal if the central government, in return, gifts Himachal with water cess under the Water Rights Act. The construction of the tunnel to Beas will cost 2352 crore rupees, while a tunnel project has also been developed to merge Bhaga into Ravi.Readers will recall that columnist Praveen Sharma wrote two articles on this subject on our editorial page, and the central government took cognizance of these. The water exchange will bring enormous benefits to the plains of North India. This water will serve as a major source of irrigation for Punjab, Haryana, Rajasthan, Delhi, and beyond, providing a major source of water for agriculture, horticulture, and other areas. However, its management network will need to be strengthened during the rainy season. Clearly, the existing banks of the Beas and Ravi become turbulent during the monsoon season, so adequate arrangements must be made to prevent the rivers from becoming monstrous in floods due to the influx of excess water. For the past few years, orders to open the gates of the Pandoh Dam have been devastating crops in many plain areas of Nurpur. Beyond tunnel construction, the issue also calls for innovative ways to utilize excess water. If some new canals are diverted directly from Himachal to Haryana, our neighboring state, which has been yearning for a connecting canal for years, will benefit. Channelization of Himachal's rivers, streams, and ravines is the need of the hour. Therefore, this task will not be accomplished by simply diverting the Chandra-Bhaga rivers to the Beas and Ravi. Instead, arrangements will need to be made to manage the excess water and strengthen the primary water sources. Apart from rapid channelization of tributary ravines and drains of all rivers, management of desilting of big dams and check dams will have to be taken forward as a matter of course.

India Wins the Race for Advanced AI

India is building a new world of agentic AI, far more advanced than ordinary AI, on the foundation of the Digital India campaign. India's digital infrastructure provides a strong foundation for agentic AI. Agentic AI's potential impacts government services, agriculture, and banking. Employment, security, and inequality are key challenges for agentic AI. Based on the strong foundation of the Digital India campaign, a new world of technology is emerging in the country. This new world is called Artificial Intelligence (AI), and its most advanced form is "agentic AI." While ordinary AI simply answers questions, agentic AI goes far beyond that. It can plan, connect with various systems, and complete many tasks automatically. It will not only tell you whether you are eligible for a government scheme, but can also verify information and apply automatically, and even inform you when your application is successful. Today, the power of AI in the world is often measured by which country has the largest data centers. India is not yet at the forefront of this field, but agentic AI can change this mindset. This requires not just large computer systems but a robust digital infrastructure, and India already has this in place. India's "India Stack" is a prime example of this. Aadhaar provided citizens with trusted digital identities. UPI created an open and connected payment system. DigiLocker stored documents in a secure digital vault, and ONDC created an open digital network for commerce. All of these systems were designed as digital platforms on which other individuals and organizations could develop new services. This is the infrastructure that agentic AI most requires. In the future, if an AI agent wants to file tax returns, renew licenses, check eligibility for government benefits, or release assistance funds on behalf of a citizen, it will need to verify identity, access documents, process payments, and connect with government systems. India has already built all these digital layers, and they are actively operating at the scale of millions of people. This is why India's digital public infrastructure could become the world's first truly agentic infrastructure. Currently, the US lacks a national digital identity system, and Europe's infrastructure is fragmented. Consequently, India's system could become a unique model for the world. It could reduce the need for people to visit government offices and stand in long queues. In the future, a system is possible where people won't even need to search for information about schemes. A farmer's crop insurance claim could be automatically registered as soon as they meet the criteria, or a child's school admission process could begin as soon as they turn six. Agentic AI could speed up and simplify tasks like credit verification, fraud detection, and customer support in the banking sector. In the agricultural sector, AI could provide farmers with weather information and crop disease identification in their own language. In the healthcare sector, this technology could also assist with tasks like initial diagnosis and patient record analysis. This technology could also open new opportunities for small businesses. India has approximately 60 million micro, small, and medium enterprises, contributing approximately 30 percent to the country's GDP and employing over 110 million people. Agentic AI can give these small businesses the same digital capabilities as large companies. Companies like Sarvam AI are rapidly working in this direction in India. However, amid this enthusiasm, some serious questions remain. The biggest question is employment. In the coming years, AI could transform the nature of millions of jobs. Another question is accountability. When AI decides who gets a loan, which patient gets priority, or which course a student gets, who will be held accountable if a mistake occurs? The third major question is cybersecurity. Every year, millions of cyberattacks and digital fraud cases are reported in India. When agentic AI starts making decisions for millions of people, even a small technical error can cause significant losses. The fourth question is inequality. If the benefits of AI are limited to cities or the affluent, this new technology could create a new digital divide. To address these challenges, India will need a clear and visionary policy. AI training must be promoted in technical education institutions and skill development programs. Encouraging Indian startups and entrepreneurs is essential. Developing AI in major Indian languages ??is equally important. In the future, success will not only belong to the country with the most powerful AI, but also to the one with the most reliable, secure, and useful digital ecosystem. Digital India has made the country digitally strong, and now agentic AI can take India to new heights.

Bail should be an exception in terror cases

Reacting to the Supreme Court's statement that "bail is the rule, jail is the exception," a former DGP has argued that this principle could be dangerous in cases of terrorism and national security. Bail should be the exception, not the rule, in terrorism cases. National security is more important than personal liberty. Weakening terrorist networks is essential for the country. Recently, the Supreme Court stated that "bail is the rule, jail is the exception," even under the Unlawful Activities (Prevention) Act (UAPA). This has sparked debate. While personal liberty is undoubtedly a vital strength of the Constitution, applying this principle directly to cases involving terrorism and national security could be dangerous. Based on my experience working in the police, intelligence, counter-terrorism operations, and internal security, I can say that this issue cannot be viewed solely from the perspective of "personal liberty." The issue here concerns national security and national interest. A terrorist attack is not a simple criminal incident. Terrorists operate through sleeper cells, overground workers, cross-border handlers, clandestine funding, and secret communication networks. Such networks are difficult to capture and dismantle. Intelligence agencies and police officers often have to conduct continuous surveillance for years before a terrorist module is finally uncovered. Ordinary people cannot understand the sheer effort it takes to track down a single terrorist. Officers work day and night, risking their lives. The easy release of bail for terrorists apprehended with great difficulty undermines both the morale of security agencies and national security. Once released on bail, terror accused individuals can reactivate their networks, destroy evidence, influence witnesses, or abscond. In terror-related cases, the risk of sleeper cells reactivating is always present. Unlike ordinary criminals, terrorists are driven by radical ideology and operate at the behest of organized networks whose reach extends beyond borders. If even one terrorist released on bail succeeds in carrying out another attack, the consequences could be catastrophic. Innocent people, as well as security forces, can become targets. National property and social harmony can also be harmed. In such cases, the state cannot ignore the safety of ordinary citizens simply by focusing on the rights of the accused. Human rights belong not only to those accused of terrorism, but also to innocent citizens. Nowadays, some people have begun to view UAPA cases solely from the perspective of "long jail terms." They do not take the national security threats seriously. Undoubtedly, delays in trials are a matter of concern, and judicial reforms are necessary, but this does not mean that bail should be the norm in terrorism-related cases. Recently, the Supreme Court, while granting bail to an accused in a UAPA case, stated that significant delays in trials can be grounds for bail and reiterated, "Bail is the rule, and jail is the exception." The Court also cited Article 21 of the Constitution. Constitutional rights are essential in a democracy, but national security is an equally important constitutional responsibility. In terrorism cases, bail should be the exception, not the rule. Yes, courts should have the authority to grant relief where evidence is weak, a case has been filed maliciously, or there are exceptional humanitarian circumstances. However, if bail is made a general principle in UAPA cases, it will send the wrong message and weaken the fight against terrorism. This could reinforce India's old image as a "soft state" against terrorism, a fact the country has made serious efforts to shed over the past decade. Terrorism investigations are extremely complex. Coordinating with foreign agencies, forensic investigations, decoding encrypted messages, and tracking money transactions are extremely difficult and time-consuming. Not every delay can be attributed to the agencies' failure. Sometimes, the nature of the cases is such that investigations drag on. I have seen many criminals who relapse into crime after being granted bail. In cases like murder and rape, many accused, while out on bail, try to intimidate or eliminate witnesses. In such a situation, cases involving national security cannot be treated like ordinary criminal cases. The UAPA was enacted because terrorism poses a direct threat to the sovereignty and integrity of the country. If such laws are weakened through liberal bail principles, the morale of security agencies will be eroded. India still faces many serious security challenges. Cross-border terrorism, radicalization, narco-terrorism, cyber recruitment, and the activities of sleeper cells remain major concerns. The Pakistani intelligence agency, the ISI, continues to wage a proxy war against India. Therefore, the country cannot afford legal interpretations that undermine national security. No one can insist that innocent people remain in jail indefinitely. Investigations and trials must be expedited. Special courts must be made more effective. Vacant court positions must be filled, and the prosecution system strengthened. Until these reforms are fully implemented, it would be dangerous to make bail a norm in national security cases. National security cannot be viewed from a theoretical perspective. One wrong decision could cost innocent lives. It can. Democracy thrives not only on rights but also on a strong security system. If national security is weakened, the very foundation of democracy itself could be at risk. India must remain both democratic and secure, but when faced with a choice between the rights of a terrorist accused and the safety of ordinary citizens, national security must always take priority.

मुरादाबाद जिला अस्पताल में डीएम का छापा, मरीजों से जानी व्यवस्थाएं; हाजिरी रजिस्टर भी चेक किए

मुरादाबाद के जिला अस्पताल में डीएम डॉ. राजेंद्र पैंसिया ने औचक निरीक्षण किया। उन्होंने

इमरजेंसी सेवाओं, वार्डों में कूलर और मरीजों से बातचीत कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया, साथ ही कर्मचारियों के हाजिरी रजिस्टर भी जांचे।प्रदेश सरकार स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने का प्रयास कर रही है। 24 मई को उप मुख्यमंत्री बृजेश पाठक ने जिला अस्पताल का निरीक्षण किया था, जिसमें उन्होंने वार्डों में कूलर लगाने के लिए कहा था। वहीं, सोमवार की सुबह 8¬05 बजे डीएम डॉ. राजेंद्र पैंसिया ने जिला अस्पताल पर छापा मार दिया। डीएम ने इमरजेंसी की व्यवस्थाएं देखीं। वार्डों में कूलर भी देखे। वहीं, वह सर्जिकल वार्ड में पहुंचे और मरीजों से व्यवस्थाओं के बारे में पूछा। उन्होंने स्थिति स्पष्ट कर दी कि मरीज को किसी भी तरह की परेशानी न हो। उसे उपचार मिले। कर्मचारियों के हाजिरी रजिस्टर भी चेक किए- डीएम ने ऑपरेशन के लिए जिन मरीजों को उपकरण की जरूरत हो, उसकी भी व्यवस्था कराई जाए। साथ ही कर्मचारियों का हाजिरी रजिस्टर भी चेक किया। जिला अस्पताल में वह करीब 45 मिनट रहे।इस दौरान कार्यवाहक प्रमुख चिकित्सा अधीक्षक डॉ. प्रदीप वार्ष्णेय, वरिष्ठ हड्डी रोग विशेषज्ञ डॉ. शेर सिंह कक्कड़, सर्जन डॉ. राहुल चौधरी ने भी मरीजों के बारे में जानकारी दी।

पाइपलाइन फटने से सड़क पर हुआ गहरा गड्ढा, हादसे का बढ़ा खतरा

गहरे गड्ढे के कारण वाहन चालक लगातार परेशानी का सामना कर रहे हैं। आए दिन दोपहिया वाहन अनियंत्रित होकर इसमें गिर रहे हैं। सबसे अधिक परेशानी बच्चों को हो रही है। खेलने और वहां से गुजरने वाले कई बच्चे गड्ढे में गिरकर चोटिल हो चुके हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि यह गड्ढा किसी भी दिन किसी अनहोनी का कारण बन सकता है।एक ओर गर्मी के मौसम में लोग पानी के लिए परेशान हैं, वहीं फटी पाइपलाइन से रोजाना हजारों लीटर शुद्ध पेयजल सड़क पर बहकर बर्बाद हो रहा है। लगातार पानी बहने से आसपास जलभराव और कीचड़ की स्थिति पैदा हो गई है, जिससे पैदल चलना भी मुश्किल हो गया है।लोगों में इस बात को लेकर आक्रोश है कि बीच सड़क पर इतना बड़ा खतरा होने के बावजूद अब तक न तो पाइपलाइन की मरम्मत की गई है और न ही गड्ढे को भरा गया है।

ठेकेदार कैलाश ने बताया कि यह पुरानी पाइपलाइन है, जो पूरी तरह खराब हो चुकी है। इसी कारण गहरा गड्ढा हो गया है। उनके पास इस संबंध में फोन भी आया है। समय मिलने पर पाइपलाइन और गड्ढे को ठीक करा दिया जाएगा। नगर पंचायत अध्यक्ष और ईओ से संपर्क करने का प्रयास किया गया, लेकिन उन्होंने फोन नहीं उठाया।

सैफनी। कस्बे में ओवरहेड टैंक निर्माण के बाद जल निगम की ओर से डाली जा रही पाइपलाइन टेस्टिंग के दौरान पांच दिन पहले फट गई।

हकीम की दुकान के पास फटी पाइपलाइन से पानी के तेज बहाव और रिसाव के कारण सड़क के बीचोंबीच गहरा गड्ढा हो गया है, जो किसी बड़े हादसे को न्योता दे रहा है।

मुरादाबाद में 24 घंटे में हुई भारी बारिश: किसी ने पकड़ी मछली तो कोई ट्यूब पर बैठकर सैर करने निकला

मुरादाबाद जिले में पिछले 24 घंटों में औसतन 61.25 मिमी वर्षा दर्ज की गई, जिसमें ठाकुरद्वारा तहसील में सर्वाधिक 134.5 मिमी बारिश हुई। तेज बारिश के कारण कई इलाकों में जलभराव और बिजली कटौती हुई, हालांकि किसानों को राहत मिली शनिवार रात्रि आठ बजे से रविवार रात्रि आठ बजे तक जिले औसत निकालने पर कुल औसत वर्षा 61.25 मिमी रही। 134.5 मिमी दर्ज की गई। लगातार हुई तेज बारिश के मुरादाबाद तहसील में 62 मिमी वर्षा रिकॉर्ड की गई, बिलारी तहसील में सबसे कम 11.5 मिमी बारिश हुई- तहसील में सबसे कम 11.5 मिमी बारिश हुई। प्रशासन के गिरावट दर्ज की गई है।तहसीलवार वर्षा रिपोर्ट मुरादाबाद - 134.5 मिमी कुल वर्षा = 245.0 मिमी जिले की औसत

और तापमान में गिरावट आई।जनपद में पिछले 24 घंटे के दौरान में कुल 245 मिमी वर्षा दर्ज की गई। जिले की चारों तहसीलों का रिपोर्ट के अनुसार सबसे अधिक वर्षा ठाकुरद्वारा तहसील क्षेत्र में कारण कई स्थानों पर जलभराव की स्थिति भी बनी रही। वहीं जिससे शहर के विभिन्न इलाकों में जलभराव देखने को मिला। कांठ तहसील में 37 मिमी वर्षा दर्ज की गई, जबकि बिलारी अनुसार वर्षा से किसानों को राहत मिली है तथा तापमान में भी - 62.0 मिमी कांठ - 37.0 मिमी बिलारी - 11.5 मिमी ठाकुरद्वारा वर्षा = 61.25 मिमी हाईवे के साथ साथ सर्विस रोड तालाब बन गई पाकबड़ा। तेज आंधी के साथ हुई बरसात से हाईवे के साथ साथ सर्विस रोड तालाब बन गई। सर्विस रोड पर भरे पानी में कोई ट्यूब पर बैठ कर निकला तो किसी ने मछली मारनी शुरु कर दी। उधर हाईवे पर पानी भरने से वाहन रेंग रेंग कर गुजरे। रविवार को दिन में उमस भरी गर्मी रही। शाम चार बजे मौसम बदला तो तेज हवा के साथ आंधी चली। उसके बाद लगभग डेढ़ घंटा जमकर पानी बरसा।नंदन स्वीट्स के सामने भारी मात्रा में पानी जमा हो गया- भीषण बरसात से मुरादाबाद दिल्ली हाईवे पर पाकबड़ा में नंदन स्वीट्स के सामने भारी मात्रा में पानी जमा हो गया। जिसके कारण हाईवे से गुजरने वाले वाहन रेंग रेंग कर गुजरे। दूसरी तरफ पाकबड़ा में सर्विस रोड का बुरा हाल है। डेढ़ घंटे की बरसात में सड़के तालाब में तब्दील हो गई। ग्रामीणों को आने जाने में काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। पाकबड़ा की कई घंटे बिजली गुल रहने से भी दिक्कत हुई। नया मुरादाबाद के सेक्टर 13 ओर 16 में तकरीबन सात घंटे बिजली की समस्या रही।

हवाई सेवा के दावों की निकली हवा! पीतल नगरी के निर्यातकों के अरमानों पर फिरा पानी

मुरादाबाद। उत्तर प्रदेश की निर्यात नगरी को अंतरराष्ट्रीय मानचित्र पर नई उड़ान देने के लिए जिस मुरादाबाद एयरपोर्ट का सपना दिखाया गया था, वह अब सरकार की अदूरदर्शिता और लचर प्लानिंग की भेंट चढ़ता नजर आ रहा है। बड़ी-बड़ी घोषणाओं कदम पीछे% वाले सिद्धांत पर टिक गई है।मुरादाबाद एयरपोर्ट अब किसी सफेद हाथी से कम नहीं है। संकट खड़ा हो गया है कि प्रदेश में 19 सीटर छोटे करोड़ों के इस प्रोजेक्ट के भविष्य पर सवालिया कारोबारियों और महानगर वासियों को सुनहरे सपने जिससे पीतल कारोबार को पंख लगेंगे। लेकिन मात्र 40 दिन ही चल सकी। उस समय कोहरे और गई थीं और मार्च 2025 तक सब दुरुस्त करने का स्थितियां सुधरने के बजाय और बिगड़ गई हैं। अब हैं, जबकि आम आदमी दिल्ली और लखनऊ के लिए है कि मुरादाबाद का रनवे छोटे विमानों के लिए ही

के साथ शुरू हुई हवाई सेवा अब %दो कदम आगे और चार में मूंढापांडे के भदासना में 35 करोड़ की लागत से बना यह नवंबर 2024 से बंद पड़ी उड़ानों के बीच अब यह नया विमान उड़ाने वाली दोनों कंपनियां ही चली गईं हैं। ऐसे में निशान लग गया है। हवाई अड्डे की शुरुआत के समय दिखाए गए थे कि विदेशी खरीदार सीधे मुरादाबाद पहुंचेंगे, हकीकत यह रही कि 10 अगस्त 2024 को शुरू हुई सेवा लो-विजिबिलिटी की तकनीकी वजह बताकर उड़ानें रोकी भरोसा दिया गया था, लेकिन डेढ़ साल बीतने के बाद भी रनवे पर केवल वीआईपी और सरकारी विमान ही उतर रहे हवाई अड्डे से उड़ान भरने से अभी दूर है। वर्तमान स्थिति यह बना है, लेकिन उन विमानों का संचालन करने वाली फ्लाई बिग जैसी कंपनियां अब अस्तित्व में नहीं हैं। आधिकारिक सूत्रों ने बताया है कि जब तक कोई नई कंपनी नहीं आती, यहाँ से उड़ान संभव नहीं है। हैरानी की बात यह है कि जहाँ व्यापारिक उड़ानों की जरूरत थी, वहाँ अब फ्लाइंग ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट खोलने की तैयारी चल रही है। यानी जिस रनवे से कारोबारियों को उड़ना था, वहाँ अब केवल ट्रेनिंग पायलट अभ्यास करेंगे। हालांकि 400 एकड़ जमीन अधिग्रहण कर रनवे विस्तार की बात कही जा रही है, लेकिन जमीन मिलने और बड़े विमानों के अनुकूल रनवे बनने में अभी सालों का वक्त लग सकता है। कुल मिलाकर, निर्यात नगरी के बाशिंदों को विकास की उड़ान का जो भरोसा दिया गया था, उसकी हकीकत जगजाहिर है। फिलहाल मुरादाबाद एयरपोर्ट से आम जनता की उड़ान की उम्मीदें धुंधली नज़र आ रही हैं।

मुख्यमंत्री योगी का बिजनौर दौरा, मुरादाबाद एयरपोर्ट पर सुरक्षा कड़ी, रामपुर में भी पुलिस-प्रशासन अलर्ट

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ एक बजे मुरादाबाद के भदासना एयरपोर्ट पहुंचेंगे। इसके बाद वह हेलीकॉप्टर से बिजनौर के आलमपुर रवाना होंगे। उनके संभावित दौरे को लेकर मुरादाबाद और रामपुर प्रशासन हाई अलर्ट पर है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के सोमवार को तरह अलर्ट मोड पर है। मुख्यमंत्री दोपहर एक बजे लखनऊ से हवाई मार्ग द्वारा बिजनौर जिले के आलमपुर के लिए रवाना होंगे।मुख्यमंत्री के रामपुर के टांडा-दढ़ियाल मार्ग पर वीआईपी मूवमेंट को लेकर सुबह से को लेकर जिले के अधिकारियों ने सभी तैयारियां पूरी कर ली हैं।एयरपोर्ट हैं। एसपी सिटी रणविजय सिंह ने बताया कि मुख्यमंत्री के आगमन को संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए हैं। उधर, रूट को लेकर हाई अलर्ट घोषित किया गया है। सुरक्षा कारणों से मुख्य के आवागमन पर भी अस्थायी रोक लगाई गई है। नगर पालिका की टीम सफाई व्यवस्था दुरुस्त करने में जुटी है। मार्ग पर जगह-जगह पुलिस बल गश्त और निगरानी के बीच पूरे क्षेत्र में वीआईपी मूवमेंट को लेकर बाद लोगों में भी उत्साह देखा जा रहा है। बड़ी संख्या में लोग सड़क

संभावित दौरे को लेकर मुरादाबाद और रामपुर में प्रशासन पूरी द्वारा मुरादाबाद के भदासना एयरपोर्ट पहुंचेंगे और वहां से हेलीकॉप्टर आगमन को देखते हुए सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है। वहीं ही पुलिस और प्रशासनिक अमला मुस्तैद है। मुख्यमंत्री के कार्यक्रम से लेकर संभावित रूट तक सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए देखते हुए सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत किया गया है और सभी रामपुर जिले के टांडा-दढ़ियाल मार्ग पर मुख्यमंत्री के संभावित मार्ग पर स्थित बाजारों को बंद करा दिया गया है, जबकि वाहनों स्प्रिंकलर मशीन से सड़क पर पानी का छिड़काव कर साफ- और प्रशासनिक अधिकारियों की तैनाती की गई है। लगातार हलचल बनी हुई है।मुख्यमंत्री के आगमन की सूचना मिलने के किनारे पहुंचकर मुख्यमंत्री के काफिले का इंतजार कर रहे हैं। प्रशासन का कहना है कि कार्यक्रम को शांतिपूर्ण और सुरक्षित ढंग से संपन्न कराने के लिए सभी आवश्यक इंतजाम किए गए हैं तथा पूरे रूट पर सुरक्षा एजेंसियां सतर्क हैं।

संक्षिप्त समाचार

राम रहीम पुल पर युवक को गोली मारने का दूसरा आरोपी मुठभेड़ में गिरफ्तार

26 मई की रात करीब 8 बजे मिलक निब्बी सिंह निवासी सतवीर सिंह को दो बाइक सवारों ने पीछे से सिर में गोली मार दी थी। मामले में रविवार रात सिविल लाइंस पुलिस ने मुठभेड़

में दूसरा आरोपी रणबीर को गिरफ्तार कर लिया है, उसके पैर में गोली लगी है। मामले में एक आरोपी रवि पहले ही जेल जा चुका है।फरार चल रहा था रनवीर- राम रहीम पुल पर घटना के बाद सिविल लाइंस थाने में घायल सतवीर सिंह के भाई ने दो लोगों पर मुकदमा दर्ज कराया था। इसमें पुलिस रवि निवासी ग्राम चंदनपुर थाना पटवाई रामपुर को भी मुठभेड़ में गिरफ्तार किया गया था। मामले में दूसरे आरोपी रनवीर लगातार फरार चल रहा था जिसकी गिरफ्तारी के लिए थाना सिविल लाइंस और सर्विलांस व स्वाट टीम का गठन किया गया था। रविवार रात थाना सिविल लाइंस पुलिस मय एसओजी टीम द्वारा ग्राम जुटिया की तरफ जाने वाले रास्ते पर गश्त व चेकिंग के दौरान संदिग्ध बाइक चालक को रोकने का प्रयास किया गया। घिरता देख पुलिस पर किया फायर- स्वंय को पुलिस से घिरता देख कच्चे रास्ते से बाइक लेकर भागने लगा एवं बाइक स्लिप होकर गिर गया। जिसके द्वारा स्वंय को पुलिस से घिरता देख पुलिस टीम पर फायरिंग की गई। आत्मरक्षार्थ थाना सिविल लाइंस पुलिस द्वारा फायर करने पर आरोपी रनवीर सिंह निवासी मथुरापुर कलां थाना पटवाई, रामपुर के बायें पैर मे गोली लगी। पुलिस द्वारा घायल आरोपी को उपचार के लिए जिला अस्पताल भिजवाया गया। आरोपी के कब्जे हथियार बरामद- आरोपी के कब्जे से एक तमंचा मय एक खोखा कारतूस व 2 जिंदा कारतूस तथा एक खोका कारतूस और घटना में प्रयुक्त एक मोटरसाईकिल ह के साथ गिरफ्तार किया गया है। बरामदगी के आधार पर थाना सिविल लाइंस थाने में आर्म्स एक्ट पंजीकृत कर आवश्यक कार्रवाई की गई। गिरफ्तारी वाली टीम में प्रभारी निरीक्षक ओमकार सिंह, उप निरीक्षक दीपक मलिक एसओजी प्रभारी, उपनिरिक्षक सतेन्द्र शर्मा व मनीष गिल सहित अन्य पुलिसकर्मियों की टीम शामिल रही।

उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल ने किया संगठन का विस्तार

रामपुर। उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल के पदाधिकारियों की बैठक में व्यापारी समाज को मजबूत बनाने के लिए संगठन का विस्तार किया गया। कार्यालय पर आयोजित बैठक में संगठन की मजबूती के लिए नई कार्यकारिणी का गठन किया गया।बैठक में आसिफ खान को शहर प्रभारी, शाहबाद गेट से चौकी चौक और थाना टीन तक आलिम खां को प्रभारी, शाहबाद गेट से राहे मुर्तजा रोड तक शादाब खान को प्रभारी, सिविल लाइन का प्रभारी गोपाल शर्मा, ज्वाला नगर का प्रभारी संदीप शर्मा, सराय गेट और बापू मॉल का प्रभारी नासिर लाला तथा बापू मॉल से हामिद गेट तक सईद खुसरो को मनोनीत किया गया।संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष संदीप अग्रवाल सोनी ने कहा कि हाउस टैक्स और वाटर टैक्स की समस्या को प्रमुखता से उठाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री ने वाटर टैक्स की बढ़ी हुई दरों पर रोक लगाई है, लेकिन नगर पालिका परिषद मुख्यमंत्री के आदेश का पालन नहीं कर रही है। लगातार अनुरोध के बावजूद हाउस टैक्स और वाटर टैक्स पर रोक नहीं लगाई जा रही है।इस मौके पर वरिष्ठ प्रदेश उपाध्यक्ष राज बहादुर यादव, जिलाध्यक्ष राजीव शर्मा, युवा नगर अध्यक्ष पुलकित अग्रवाल, नगर अध्यक्ष महफूज हुसैन, नगर प्रभारी आसिफ खान समेत अन्य लोग मौजूद रहे।

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच को जिला एवं तहसील स्तर पर ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन प्रतिनिधि चाहिए
9027776991
knlslive@gmail.com

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी, डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा
मो. 9027776991
RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

ज़्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

बरेली जंक्शन पर दर्दनाक हादसा

चलती ट्रेन से गिरकर प्रयागराज के फार्मासिस्ट की मौत

क्यूँ न लिखूँ सच/ पं सत्यमशर्मा / बरेली। जंक्शन पर रविवार दोपहर हादसा हो गया। जंक्शन के प्लेटफॉर्म नंबर एक पर 51 वर्षीय फार्मासिस्ट विजय कुमार की ट्रेन से गिरकर मौत हो गई। प्रयागराज निवासी विजय कुमार कौशांबी जनपद में तैनात थे। घटना के वक्त पत्नी भी उनके साथ सफर कर रही थीं। हादसे के बाद उनका रो-रोकर बुरा हाल हो गया।

प्रयागराज की रहने वाली अंजना राय ने बताया कि वह अपने पति 51 वर्षीय विजय कुमार के साथ इज्जतनगर स्थित कर्मचारी नगर में अपनी बहन वंदना के घर आई थीं। वंदना काफी समय से बीमार चल रही हैं। उन्हें देखने बाद अंजना पति के साथ प्रयागराज वापस जा रही थीं। दोनों त्रिवेणी एक्सप्रेस से सफर कर रहे थे।

झटका लगने पर ट्रेन से गिरे - जब ट्रेन बरेली जंक्शन के प्लेटफॉर्म नंबर एक पर पहुंची, तब विजय कुमार ने पत्नी से वॉशरूम जाने की बात कही। बताया जाता है कि वॉशरूम की ओर जाते समय अचानक उन्हें झटका लगा और वह ट्रेन से नीचे गिर गए। मौके पर उनकी मौत हो गई। एक यात्री ने उन्हें गिरते देखा और तुरंत ट्रेन की चेन खींच दी, जिससे ट्रेन रुक गई। सूचना मिलने पर रेलवे पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। पुलिस मामले की जांच कर रही है। विजय कुमार कौशांबी में फार्मासिस्ट के पद पर तैनात थे। उनके परिवार में पत्नी और दो बेटे हैं। अचानक हुई मौत से परिवार और रिश्तेदारों में शोक की लहर दौड़ गई है। पोस्टमार्टम हाउस पर बड़ी संख्या में परिजन और शुभचिंतक पहुंच रहे हैं।

बच्चा चोर गिरोह: आईवीएफ सेंटरों से मिला आरोपी नर्स सीता का कनेक्शन, बरेली पुलिस ने शुरू की जांच

क्यूँ न लिखूँ सच/ पं सत्यमशर्मा / बरेली। कई जिलों में बच्चा चोरी का नेटवर्क चलाने वाले गिरोह की पड़ताल में लगातार नई चीजें सामने आ रही हैं। कई शहरों के आईवीएफ सेंटरों से बरेली के मेडिकल कॉलेज की नर्स सीता के कनेक्शन का इनपुट मिला है। जांच टीम और भी खुलासे कर सकती है।

बरेली के आंवला के मनौना श्याम मंदिर से बच्चा चोरी होने के बाद बड़े नेटवर्क का खुलासा हुआ है। इसमें निजी अस्पताल, क्लीनिक, झोलाछाप और नर्सों का सिंडीकेट शामिल है। अब इससे भी आगे बढ़कर मामला आईवीएफ सेंटरों तक जा पहुंचा है।

जरूरत के आधार पर तय होती है कीमत, लड़कों की मांग ज्यादाआरोपी नर्स सीता का गिरोह लोगों की जरूरत के आधार पर बच्चों की कीमत तय करता है। सूत्रों के मुताबिक, अस्पतालों में हो रहे प्रसव व अनचाहे बच्चों के मामलों पर गिरोह नजर रखता है। कई बेहद गरीब दंपती को बच्चों की जरूरत नहीं होती। ऐसे में प्रसव के बाद वह बच्चों को सक्षम लोगों को देने से गुरेज नहीं करते। कई मामलों में तो ऐसे अभिभावक बच्चों को देने के बदले कुछ लेना भी गलत समझते हैं, जबकि कुछ अभिभावकों को मामूली रकम देकर भेज दिया जाता है।

गाड़ी छोड़ पैदल निकले डी एम अविनाश सिंह, बोले- बचाइए ईंधन, बढ़ाइए फिटनेस

क्यूँ न लिखूँ सच/ पं सत्यमशर्मा/ बरेली । सोमवार को एक अलग ही तस्वीर देखने को मिली।

जिलाधिकारी अविनाश सिंह सरकारी वाहन का इस्तेमाल छोड़ पैदल ही अपने आवास से कलेक्ट्रेट कार्यालय पहुंचे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की प्रेरणा से जनपद में शनिवार और सोमवार को नो व्हीकल डे मनाया जा रहा है। इसी अभियान को सफल बनाने के लिए जिलाधिकारी ने खुद मिसाल पेश करते हुए पैदल चलकर पर्यावरण संरक्षण, ईंधन बचत और स्वस्थ जीवनशैली का संदेश दिया। जिलाधिकारी अविनाश सिंह ने कहा कि बढ़ते प्रदूषण और ईंधन की खपत को देखते हुए हर व्यक्ति को सप्ताह में कम से कम दो दिन वाहन का कम उपयोग करना चाहिए। इससे न केवल पर्यावरण सुरक्षित रहेगा

बल्कि लोगों की फिटनेस भी बेहतर होगी। उन्होंने सभी अधिकारियों, कर्मचारियों और आमजन से अपील की कि वे शनिवार और सोमवार को वाहन मुक्त दिवस के रूप में मनाएं तथा पैदल चलने या सार्वजनिक परिवहन को प्राथमिकता दें। जिलाधिकारी की यह पहल अब जिले में चर्चा का विषय बनी हुई है और लोगों को पर्यावरण के प्रति जागरूक होने का संदेश दे रही है।

योगीराज में भू-माफिया पर पुलिस का शिकंजा, समाजसेविका के प्लॉट पर कब्जे की कोशिश नाकाम

क्यूँ न लिखूँ सच/ पं सत्यमशर्मा/ बरेली। योगी सरकार की भू-माफियाओं के खिलाफ सख्त नीति का असर एक बार फिर देखने को मिला। थाना इज्जतनगर क्षेत्र के मुंडिया अहमदनगर गांव में समाजसेविका लक्ष्मी गंगवार के हाईवे किनारे स्थित प्लॉट पर कब्जे की कोशिश पुलिस ने नाकाम कर दी। आरोप है

कि जमीन बेचने वाले कोमिल प्रसाद ने कोर्ट में मामला लंबित होने के बावजूद आधी रात प्लॉट का ताला तोड़कर कब्जा करने का प्रयास किया। सूचना मिलते ही बैरियर टू चौकी प्रभारी मोहित कुमार पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे।

पुलिस की आहट मिलते ही आरोपी फरार हो गया। पीड़िता की तहरीर पर इज्जतनगर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

चौकी प्रभारी मोहित कुमार ने कहा कि योगी सरकार में किसी भी भू-माफिया या दबंग को कानून हाथ में लेने की इजाजत नहीं दी जाएगी और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

ब्लॉक संसाधन केंद्र के जल्द पुनर्निर्माण की मांग , आंवला सांसद से रखी

क्यूँ न लिखूँ सच/ पं सत्यमशर्मा / बरेली। संकुल संसाधन केंद्र की स्थिति बिथरी चैनपुर के ब्लॉक अध्यक्ष अरविंद चौधरी ने अवगत कराया कि बिथरी का ब्लॉक संसाधन केंद्र का पिछले एक वर्ष से कस्तूरबा गांधी में संचालन किया जा रहा एवं ट्रेनिंग दूसरे परिषदीय विद्यालयों में करानी पड़ती है क्योंकि ब्लॉक संसाधन केंद्र जर्जर स्थिति में है और कोई अप्रिय घटना न घटे इसलिए उपयोग में नहीं लाई जा रही एवं नीलामी प्रक्रिया प्रारंभ होने के बाद उसमें आगे कुछ नहीं हुआ है। सांसद द्वारा ज्ञापन का संज्ञान लेते हुए जिलाधिकारी को पत्र भेजने का आश्वासन दिया गया एवं तुरंत पत्र तैयार कराया गया। संगठन ने उनका आभार व्यक्त किया। इसके बाद संगठन ने जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी से भेट की एवं शिक्षकों की विभिन्न समस्याओं को रखा। संकुल शिक्षकों के नवीन चयन की मांग- मांडलिक मंत्री रुचि सैनी द्वारा संकुल शिक्षकों के नवीन चयन की मांग रखी गई। बीएसए ने आश्वस्त किया अगर महानिदेशक के आदेश में संकुल शिक्षकों के नवीन चयन का लिखा है तो जल्द ही नवीन चयन किया जाएगा एवं संगठन द्वारा सभी खंड शिक्षा अधिकारियों को जल्द से जल्द चयन वेतनमान लगने वाले शिक्षकों की सर्विस बुक लेखा कार्यालय भेजने के लिए पत्र जारी करने का अनुरोध किया गया। ज्ञापन देने वालों में जिला उपाध्यक्ष गौरव गुप्ता, शुमायला खान, संगठन मंत्री अरुण गंगवार एवं अनुपूर्णा कुशवाहा, प्रचार मंत्री वचन सिंह एवं धीरज पटेल, जिला महिला संगठन मंत्री मोनिका गुप्ता,जिला प्रवक्ता अरविंद कुमार, ब्लॉक अध्यक्ष अरविंद चौधरी, रामनगर अध्यक्ष शलभ शर्मा, ब्लॉक मंत्री अजय कुमार, अनुभव शर्मा, अंकित गुप्ता आदि रहे।

बरेली के मेधावियों का सम्मान, मंत्री ने बांटी सफलता की मंत्र-चाबी

क्यूँ न लिखूँ सच/ पं सत्यमशर्मा / बरेली। मेधावी छात्र-छात्राओं के सम्मान का भव्य आयोजन हुआ। लखनऊ में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में आयोजित राज्य स्तरीय सम्मान समारोह का सजीव प्रसारण कलेक्ट्रेट सभागार में देखा गया। कार्यक्रम में वन एवं पर्यावरण मंत्री डॉ. अरुण कुमार, सांसद छत्रपाल गंगवार, जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों ने प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को सम्मानित किया। मंत्री ने कहा कि सफलता के लिए अनुशासन, दूरदृष्टि और कठिन परिश्रम बेहद जरूरी हैं। उन्होंने विद्यार्थियों को लक्ष्य निर्धारित कर निरंतर मेहनत करने की प्रेरणा दी। जिलाधिकारी अविनाश सिंह ने कहा कि किसी भी बच्चे के व्यक्तित्व निर्माण में मां की सबसे महत्वपूर्ण भूमिका होती है। उन्होंने विद्यार्थियों से शिक्षकों और अभिभावकों का सम्मान करने तथा मेहनत को सफलता का मूल मंत्र बनाने का आह्वान किया। इस दौरान हाईस्कूल और इंटरमीडिएट में जनपद स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले मेधावी छात्र-छात्राओं को 21-21 हजार रुपये के प्रतीकात्मक चेक, मेडल और प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों की उपलब्धियों पर खुशी जताते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की गई।

बहेड़ी पुलिस ने पति-पत्नी बाइक चोर गैंग के मास्टरमाइंड को किया गिरफ्तार , तीन वारदातों का खुलासा, अपाचे बाइक बरामद

क्यूँ न लिखूँ सच/ पं सत्यमशर्मा/ बरेली। बहेड़ी पुलिस ने मोटरसाइकिल चोरी की घटनाओं का खुलासा करते हुए एक पति-पत्नी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उनके कब्जे से चोरी की गई टीवीएस अपाचे मोटरसाइकिल बरामद की है। पूछताछ में दोनों ने क्षेत्र में कई अन्य बाइक चोरी की वारदातों को भी कबूल किया है।

पुलिस के अनुसार सीसीटीवी फुटेज, मुखबिर की सूचना और अन्य साक्ष्यों के आधार पर कृष्णा और उसकी पत्नी दिव्या की संलिप्तता सामने आई। इसके बाद थाना बहेड़ी पुलिस ने वन विभाग तिराहा क्षेत्र से दोनों को गिरफ्तार कर लिया। बरामद बाइक का संबंध थाना बहेड़ी में दर्ज मुकदमा संख्या 417/26 से पाया गया।

पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि वे आर्थिक लाभ के लिए मोटरसाइकिल चोरी की घटनाओं को अंजाम देते थे। उन्होंने स्वीकार किया कि बरामद अपाचे बाइक वी-मार्ट के पास से चोरी की थी। इसके अलावा शिवशक्ति मैरिज लॉन के पास से एक एचएफ डीलक्स तथा नुमाइश क्षेत्र से एक अन्य अपाचे बाइक चोरी कर बेचने की बात भी कबूल की।

पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ संबंधित धाराओं में कार्रवाई करते हुए न्यायालय के समक्ष पेश किया है। इस सफल कार्रवाई में प्रभारी निरीक्षक दिनेश कुमार शर्मा समेत बहेड़ी पुलिस टीम की अहम भूमिका रही।

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच को जिला एवं तहसील स्तर पर ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन प्रतिनिधि चाहिए
9027776991
knlslive@gmail.com

शौचालय जाने के विवाद में पिता और घरवालों ने बेटे को पीट-पीटकर मार डाला, बचाने गई पत्नी गंभीर रूप से घायल

अयोध्या में शौचालय जाने के विवाद में पिता और घरवालों ने बेटे को पीट-पीटकर मार डाला। बचाने गई पत्नी भी गंभीर रूप से घायल हो गई। मामले में मृतक के माता-पिता और भाई-बहन के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करके पुलिस ने सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है।यूपी के अयोध्या में सोमवार की सुबह 04-45 बजे शौचालय के इस्तेमाल को लेकर हुए पारिवारिक विवाद ने खूनी रूप ले लिया। आरोप है कि माता-पिता, भाई और बहन ने मिलकर राधेश्याम यादव (30) की पीट-पीटकर हत्या कर दी, जबकि उनकी पत्नी रेनू यादव गंभीर रूप से घायल हो गई। पुलिस ने मृतक की पत्नी की तहरीर पर चारों आरोपियों के खिलाफ हत्या की रिपोर्ट दर्ज कर उन्हें गिरफ्तार कर लिया है।घटना कैंट थाना क्षेत्र के ककरही बाजार की है। यहां के निवासी मौजीलाल यादव के आमने-सामने दो मकान बने हैं। एक मकान में उनका बड़ा बेटा राधेश्याम यादव अपनी पत्नी रेनू और 10 साल के बेटे के साथ रहता था। जबकि, सामने बने दूसरे मकान में वह अपनी पत्नी मीना देवी, छोटे व अविवाहित बेटे घनश्याम यादव के साथ रहते हैं। दोनों परिवारों के बीच राधेश्याम के घर में बने शौचालय के उपयोग को लेकर लंबे समय से विवाद चल रहा था।पत्नी रेनू भी हमले में घायल हो गई सोमवार की भोर में मौजीलाल उसी मकान में शौच के लिए गए थे। वहां राधेश्याम ने उन्हें रोक लिया। इसे लेकर दोनों के बीच कहासुनी शुरू हो गई। विवाद बढ़ने पर घनश्याम, मीना और घनश्याम की जनौरा निवासी बहन अनीता मौके पर पहुंच गए। आरोप है कि चारों ने मिलकर राधेश्याम पर चारपाई की पट्टी और डंडों से हमला कर दिया। हमले में वह गंभीर रूप से घायल हो गए। बीच-बचाव करने पहुंचीं उनकी पत्नी रेनू भी हमले की शिकार हो गईं। इससे उनके हाथ और पैर में गंभीर चोटें आईं।मोहल्लेवासियों की मदद से घायलों को जिला अस्पताल ले जाया गया। वहां चिकित्सकों ने राधेश्याम को मृत घोषित कर दिया गया। रेनू का इलाज चल रहा है। घटना के बाद एसपी सिटी चक्रपाणि त्रिपाठी, सीओ सिटी श्रीयश त्रिपाठी, थाना प्रभारी संदीप सिंह मौके पर आए। फोरेंसिक टीम के साथ घटनास्थल का जायजा लेकर साक्ष्य एकत्र किए। परिजनों और स्थानीय लोगों से पूछताछ की गई।

प्रिय सुधि पाठको आप अपना यहाँ शुभकामना सन्देश (Birthday, anniversary, any kind of message) कम कीमत में विज्ञापन छपवाए - 9027776991

संक्षिप्त समाचार

पूरब में तीखी धूप, पश्चिम में बादलों का डेरा, बरेली 6-7 दिन तक रहेगा मौसम में उतार-चढ़ाव

क्यूँ न लिखूँ सच/ पं सत्यमशर्मा / बरेली। लगातार मौसम में बदलाव देखने को मिल रहा है। कभी भीषण गर्मी तो कभी आंधी-बारिश से माहौल बदल जा रहा है। सोमवार को भी यूपी के अलग-अलग हिस्सों में मौसम के कई रंग देखने को मिले। पूरब में तीखी धूप ने परेशान किया तो पश्चिमी यूपी के जिलों में बादलों ने डेरा जमाए रखा। सोमवार को भी लखनऊ समेत कई जिलों में बारिश का अलर्ट मौसम विभाग ने जारी किया है। अगले छह दिनों में भी अलग-अलग हिस्सों में मौसम का अलग-अलग रंग देखने को मिलेगा। आंधी-बारिश से तापमान में काफी गिरावट हुई है, बीते चौबीस घंटे में 10 मिमी से अधिक बारिश रिकार्ड की गई है। रविवार को दिन में अधिकतम तापमान 32.8 और रात में न्यूनतम तापमान 21.5 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया।

महिलाओं और बच्चों के लिए विशेष कैंप 2 जून से, योजनाओं का मिलेगा सीधा लाभ

क्यूँ न लिखूँ सच/ पं सत्यमशर्मा / बरेली। महिला कल्याण विभाग द्वारा संचालित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पात्र लाभार्थियों तक पहुंचाने के लिए तहसील आंवला क्षेत्र के विकास खंडों में विशेष विभागीय कैंप आयोजित किए जाएंगे। इन कैंपों में निराश्रित महिला पेंशन योजना, मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना तथा मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना सहित अन्य योजनाओं से संबंधित समस्याओं का निस्तारण एवं लाभार्थियों का मार्गदर्शन किया जाएगा। जिला प्रोबेशन अधिकारी ने बताया कि कैंप 2 जून को रामनगर, 5 जून को मझगवां तथा 8 जून को आलमपुर जाफराबाद विकास खंड में आयोजित होंगे। सभी कैंप सुबह 10-30 बजे से शाम 4-30 बजे तक संचालित किए जाएंगे। उन्होंने क्षेत्र की महिलाओं एवं आमजन से अपील की है कि वे निर्धारित तिथि पर कैंप में पहुंचकर योजनाओं का लाभ उठाएं तथा अपनी समस्याओं का समाधान कराएं।

प्रमाण पत्र बनवाने के लिए शिविर में उमड़े दिव्यांग

क्यूँ न लिखूँ सच/ पं सत्यमशर्मा / बरेली। मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय में सोमवार को दिव्यांग प्रमाण पत्र शिविर लगाया गया। शिविर में इस बार अपेक्षाकृत अधिक भीड़ रही। सुबह 10 बजे से ही दिव्यांग आवेदन पत्रों के साथ शिविर में आने लगे। दोपहर 12 बजे तक 94 दिव्यांगों के आवेदन पत्र जमा हो गए थे। नेत्र संबंधी दिव्यांगता वाले आवेदकों को चिकित्सकीय परीक्षण के लिए 300 बेड अस्पताल भेजा गया। दिव्यांगों की भीड़ को देखते हुए शिविर में अतिरिक्त कुर्सियां लगवाई गई।

आरव की पटककर हत्या से पहले आधे घंटे तक फोन पर की बात, फिर मारा; बेटे का मुंह तक न देखने आया बाप

फिरोजाबाद में हुए आरव हत्याकांड में चौंकाने वाली जानकारी सामने आई है। वारदात से पहले आधे घंटे तक आरोपी फोन पर बात करता रहा। हत्या के बाद आरोपी ने आरव की मां को फोन कर कहा कि आरव को चोट लग गई है। इसके बाद आरोपी मौके से फरार हो गया।फिरोजाबाद में मासूम आरव हत्याकांड में मां रती शर्मा ने पुलिस पूछताछ में आरोपी विराज की साजिश को लेकर कई बड़े खुलासे किए हैं। रती ने बताया कि आरोपी विराज पिछले तीन महीने से लगातार उसके पीछे पड़ा हुआ था।

एक महीने पहले विराज ने उसके सामने शादी का प्रस्ताव भी रखा था और कहा था कि वह आरव को भी अपने साथ रखेंगे। मगर, उसने दूसरी शादी करने से साफ मना कर दिया था। इसी इनकार से बौखलाकर विराज ने मासूम की हत्या की साजिश रची।

शनिवार की घटना को याद करते हुए रती ने बताया कि जब विराज शिकोहाबाद में पुष्पलता के घर पहुंचा, तो उसने वहां मौजूद किसी भी व्यक्ति से बात नहीं की थी। उसने घर के अंदर जाकर सिर्फ पानी पिया और फिर बाहर आ गया।रती के अनुसार, इसके बाद विराज करीब आधे घंटे से अधिक समय तक घर के बाहर किसी से फोन पर बात करता रहा। इसी दौरान जब रती ने आरव को सुलाने के लिए आवाज लगाई, तो बाहर खड़ा विराज भागकर अंदर आया। उसने आरव से कहा, चलो आरव, टॉफी दिलाऊं... और उसे अपने साथ लेकर चला गया। बाहर ले जाकर उसने मासूम को सड़क पर पटक-पटककर मार डालाकत्ल के बाद मां को किया गुमराह करने वाला फोन- मासूम आरव की जान लेने के बाद शातिर हत्यारे विराज ने रती को फोन किया और झूठ बोलते हुए कहा कि आरव को चोट लग गई है। जब तक परिवार कुछ समझ पाता, आरोपी बच्चे के शव को घर के मुख्य दरवाजे पर छोड़कर वहां से भाग चुका था।न जन्म पर देखने आए थे आरव का मुंह और न बेरहम मौत के बाद पहुंचे पिता व ससुरालीजन- मासूम आरव का रविवार दोपहर बाद अरांव के ग्राम बामई में अंतिम संस्कार कर दिया गया। मासूम के शव का ननिहाल पक्ष के लोगों ने दी अंतिम संस्कार किया। इस दौरान जहां मां रती देवी और नानी पिंकी देवी का रो-रोकर बुरा हाल था, वहीं खून के रिश्तों की बेरुखी देखकर हर आंख नम थी।रती को बेटे आरव की भीभत्स मौत के साथ ही रविवार को इस बात का सबसे गहरा दुख था कि उसके पति सुमित कुमार और बदायूं निवासी अन्य ससुरालीजन बच्चे का आखिरी बार मुंह तक देखने नहीं आए।बिलखती मां रती ने अपनी आपबीती बताते हुए कहा कि उसकी शादी 18 फरवरी 2024 को हुई थी, लेकिन शादी के तुरंत बाद से ही ससुराल वालों ने दहेज के लिए प्रताड़ित करना शुरू कर दिया था। जब वह छह महीने की गर्भवती थी, तब पति सुमित ने उसके साथ बुरी तरह मारपीट की। इस प्रताड़ना से तंग आकर वह अपने मायके आ गई और फिर दो महीने बाद भरतना, इटावा स्थित अपनी ननिहाल चली गई।रती ने रोते हुए बताया कि 3 नवंबर 2024 को भरतना में आरव का जन्म हुआ था। उस समय भी पति सुमित या ससुराल का कोई अन्य सदस्य बच्चे का चेहरा देखने तक नहीं आया। आरव के जन्म के डेढ़ महीने बाद जब उसके ससुर की मौत हुई, तब वह बच्चे को लेकर बदायूं स्थित अपनी ससुराल (सियाराम नगर) गई थी।ससुर के तेहरवीं संस्कार के बाद फिर वापस मायके आ गई थी। इसके बाद पति सुमित के मामा ने बीच में पड़कर दोनों पक्षों में समझौता कराया था और दोबारा ससुराल लेकर गए थे। मगर, वह समझौता भी काम नहीं आया और ससुराल में फिर से उसके साथ मारपीट और उत्पीड़न का दौर शुरू हो गया था।कातिल विराज की 14 दिन की रिमांड मंजूर

शिकोहाबाद की यादव कॉलोनी में शनिवार को दिनदहाड़े डेढ़ साल के मासूम आरव की बेरहमी से सड़क पर आठ बार पटक कर हत्या के आरोपी विराज उर्फ जितेंद्र पाठक निवासी शेखूपुर, सिविल लाइंस, बदायूं की रिमांड मजिस्ट्रेट की कोर्ट में पेश रविवार को पेशी हुई। कोर्ट ने मामले की गंभीरता को देखते हुए आरोपी विराज की 14 दिन की न्यायिक रिमांड मंजूर कर ली है।हालांकि, शनिवार रात पुलिस मुठभेड़ के दौरान आरोपी के दोनों पैरों में लगी गोली के घाव काफी गहरे हैं। इस वजह से उसे फिलहाल जिला अस्पताल फिरोजाबाद में ही कड़ी सुरक्षा के बीच पुलिस अभिरक्षा में भर्ती रखा गया है। अस्पताल सूत्रों के मुताबिक, सोमवार को आरोपी के पैरों का एक्सरे कराया जाएगा। इस एक्सरे रिपोर्ट के आने के बाद ही डॉक्टर यह तय करेंगे कि विराज का आगे का इलाज फिरोजाबाद जिला अस्पताल में ही संभव है या फिर उसे बेहतर उपचार के लिए आगरा के एसएन मेडिकल कॉलेज रेफर करना पड़ेगा। डॉक्टरों के अनुसार, पूरी तरह स्वस्थ होने के बाद ही आरोपी को जिला जेल भेजा जाएगा।यह हुई थी वारदात

शिकोहाबाद की यादव कॉलोनी में शनिवार दोपहर विराज उर्फ जितेंद्र पाठक ने रिश्ते की भाभी रती से शादी करने की जिद पूरी न होने पर उसके डेढ़ साल के मासूम बेटे आरव को सड़क पर बेरहमी से आठ बार पटक-पटककर मार डाला था। यह पूरी वारदात सीसीटीवी कैमरे में कैद हुई थी। पुलिस ने मुठभेड़ के बाद आरोपी को गिरफ्तार देर रात ही गिरफ्तार कर लिया था। उसके दोनों पैरों में गोली लगी है। मूल रूप से अरांव निवासी रती देवी की शादी फरवरी 2024 में बदायूं निवासी सुमित कुमार से हुई थी। पति से अनबन के कारण वह पांच महीने से मायके में रह रही थी। इसी बीच सुमित के फुफेरे भाई विराज उर्फ जितेंद्र पाठक निवासी शेखूपुर, बदायूं ने रती के सामने शादी का प्रस्ताव रखा, जिसे रती ने ठुकरा दिया था। शनिवार को रती अपनी मां पिंकी देवी के साथ कानूनी राय लेने शिकोहाबाद आई थीआरोपी विराज भी वहां पहुंच गया था। मासूम आरव को टॉफी दिलाने के बहाने बाहर ले गया था। घर से 50 मीटर दूर सुनसान सड़क पर उसने मासूम को 27 सेकंड के भीतर लगातार 8 बार पक्की सड़क पर पटका। बच्चे की मौत के बाद वह शव को दरवाजे पर फेंककर भाग गया था।

बेड पर मिला महिला का शव, गर्दन पर मिले चोट के निशान, पुलिस ने पति को हिरासत में लिया

महिला का शव बेड पर पड़ा मिलने से हड़कंप मच गया। पुलिस महिला के पति को गिरफ्तार कर थाने ले आई।बेला थाना क्षेत्र के गांव पुरवा दुजे में सोमवार सुबह एक विवाहिता का शव उसके घर में बेड पर पड़ा मिला। गर्दन पर चोट के निशान भी मिले हैं। पुलिस को शव घर पुलिस ने पति को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है।थाना क्षेत्र के गांव दोहरे से हुई थी। पति मजदूरी करता है, सोमवार को वह पास के गांव में बने पड़ा देख सन्न रह गया। सूचना पर थाना पुलिस व तहसील प्रशासन मौके पर वहीं महिला की मौत की सूचना पर मायके पक्ष के लोग ट्रैक्टर ट्रॉली में सवार और रोते-बिलखते परिजन सीधे थाने पहुंच गए और महिला का शव देखने की को पोस्टमार्टम के लिए भेजा जा चुका है। मृतक की बहन राधा ने आरोप लगाया

के बाहर बरामदे में रखा मिला। मायके पक्ष के लोगों ने हत्या का आरोप लगाया है। बरहा देवी निवासी मोहिनी (23) की शादी 2024 में गांव पुरवा दुजे निवासी शिवा मकान में लेंटर डालने जा रहा था। इसी दौरान पत्नी का शव संदिग्ध हालात में बैड पर पहुंचा। प्राथमिक जांच में महिला के गर्दन व अन्य जगहों पर चोट के निशान मिले हैं। होकर गांव पहुंचे। गांव में शव न मिलने पर परिजन बिलख पड़े। इसके बाद गुस्साए मांग पर अड़ गए।पुलिस अधिकारियों ने उन्हें ढांढस बंधाया और जानकारी दी कि शव है कि उसकी बहन साजिश के तहत हत्या की गई है। मायके पक्ष के गंभीर आरोपों को देखते हुए पुलिस ने त्वरित कार्रवाई की और मृतका के पति शिवा दोहरे को हिरासत में लेकर थाने ले आई। इसके बाद पुलिस ने आक्रोशित परिजनों को समझाकर शांत कराया। मृतक ने सात माह पहले बच्चे को जन्म दिया था, जिसकी चार दिन बाद मौत हो गई थी। बेला के थानाध्यक्ष गंगादास गौतम ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। पति को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में मौत का कारण स्पष्ट हो सकेगा।

डर्टी टीचर: छात्रा के प्यार में बीवी पर जुल्म, दर्द न सह सकी सविता; छोड़ दी दुनिया, पति-प्रेमिका पर एफआईआर

मृतका की पहचान सविता तेवतिया के रूप में हुई है। परिजनों के अनुसार सविता की शादी करीब 18 वर्ष पहले उत्तर प्रदेश के जेवर क्षेत्र के नगला गांव निवासी संदीप के साथ हुई थी। शादी के बाद दोनों फरीदाबाद के सेक्टर-7 में रहने लगे और घर पर बच्चों को सेक्टर-7 क्षेत्र में 37 वर्षीय ट्यूशन शिक्षिका की संदिग्ध परिस्थितियों ट्यूशन शिक्षक पति सहित छह लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज शादी मृतका की पहचान सविता तेवतिया के रूप में हुई है। परिजनों प्रदेश के जेवर क्षेत्र के नगला गांव निवासी संदीप के साथ हुई थी। और घर पर बच्चों को कोचिंग पढ़ाने का काम करते थे। दंपती के कर रहा था।छात्रा संग थे संदीप के संबंध-सेक्टर-7 क्षेत्र में एक दिया है। मृतका के परिजनों का आरोप है कि कोचिंग पढ़ने आने बन गए थे। उनका कहना है कि जब यह संबंध शुरू हुआ तब छात्रा बढ़ती गईं, जिससे पति-पत्नी के बीच अक्सर विवाद होने लगा। कंपनी में कार्यरत है, लेकिन उसके और संदीप के बीच संबंध थी संदीप संग रहने की बात-परिजनों के मुताबिक उन्होंने कई बार की थी, लेकिन कोई समाधान नहीं निकला। उनका आरोप है कि की बात कहती थी। इन परिस्थितियों के कारण सविता मानसिक में सामने आया है कि महिला ने फंदा लगाकर आत्महत्या की थी। कहना है कि सुसाइड नोट में किसी व्यक्ति को सीधे तौर पर मौत पिता दशरथ डागर ने आरोप लगाया है कि उनकी बेटी की मौत के उसके भाई, मां तथा चाची की भूमिका है। उनका कहना है कि इन

कोचिंग पढ़ाने का काम करते थे।हरियाणा के बल्लभगढ़ में हुई मौत होने का मामला सामने आया है। पुलिस ने कर जांच शुरू कर दी है।18 साल पहले संदीप से हुई थी के अनुसार सविता की शादी करीब 18 वर्ष पहले उत्तर शादी के बाद दोनों फरीदाबाद के सेक्टर-7 में रहने लगे दो बच्चे हैं और परिवार सामान्य रूप से जीवन व्यतीत पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप वाली एक छात्रा के साथ संदीप के कथित अवैध संबंध नाबालिग थी। समय के साथ दोनों के बीच नजदीकियां परिजनों का आरोप है कि युवती वर्तमान में एक निजी लगातार बने हुए थे।सविता को धमकाती थी छात्रा, करती इस संबंध को लेकर संदीप और उसके परिवार से शिकायत युवती सविता को धमकाती थी और संदीप के साथ रहने तनाव में रहने लगी थी। पुलिस के अनुसार प्रारंभिक जांच मौके से एक सुसाइड नोट भी बरामद हुआ है। पुलिस का के लिए जिम्मेदार नहीं ठहराया गया है। हालांकि मृतका के पीछे उसके पति संदीप तेवतिया, सास-ससुर, उक्त महिला, सभी लोगों ने मिलकर उनकी बेटी की हत्या की है। मजदूर ने दी थी सविता की मौत की जानकारी- वहीं दूसरी ओर मृतका के ससुर कैप्टन सुरेंद्र कुमार ने सभी आरोपों को निराधार बताया है। उन्होंने कहा कि घटना के समय वह, उनकी पत्नी और बेटा संदीप एक रिश्तेदार के निधन पर जेवर गए हुए थे। घर पर सविता अकेली थी और मकान में निर्माण कार्य चल रहा था। उनके अनुसार एक मजदूर ने फोन कर बताया कि सविता दरवाजा नहीं खोल रही है। पड़ोसी की मदद से घर की जांच की गई तो सविता फंदे पर लटकी मिली। उसे तुरंत अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। पुलिस का बयान- सेक्टर-7 चौकी प्रभारी राकेश कुमार ने बताया कि परिजनों की शिकायत पर प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। शव का पोस्टमार्टम कराया गया है और पुलिस सभी पहलुओं की गहन जांच कर रही है। अधिकारियों का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट और अन्य साक्ष्यों के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

संक्षिप्त समाचार

आंधी में दीवार गिरने से मलबे में दबकर महिला की मौत, ननद घायल; परिजनों में मचा कोहराम

अजीतमल कोतवाली क्षेत्र के गांव हरपालपुर में रविवार की रात तेज आंधी और बारिश के दौरान गांव में एक ग्रामीण के घर की पक्की दीवार गिर गई। हादसे के दौरान वहां से गुजर रहीं जिला जालौन निवासी महिला जगरानी की

दीवार के मलबे में दबकर मौत हो गई। वहीं उसकी ननद को गंभीर हालत में मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया। दोनों भंडारे का प्रसाद खाकर घर लौटी थीं।जालौन जनपद के थाना रामपुरा क्षेत्र के गांव मढ़ेपुरा निवासी जगरानी (50) पत्नी सुरेंद्र निषाद रविवार को अजीतमल कोतवाली क्षेत्र के गांव हरपालपुर में अपने नंदोई लेकपाल निषाद के घर गई थीं। रविवार शाम वह अपनी ननद सोमवती पत्नी लेकपाल के साथ पड़ोसी गांव भीखम नगर में चल रही भागवत कथा के भंडारे में प्रसाद ग्रहण करने गई थीं। भंडारा खाने के बाद दोनों महिलाएं पैदल घर जा रहीं थी। वह जैसे ही गांव हरपालपुर के अंदर पहुंचीं, तभी अचानक तेज आंधी के साथ बारिश शुरू हो गई। इससे गांव निवासी बुद्ध सिंह के घर की बाहरी पक्की दीवार ढह गई।रास्ते से गुजर रहीं सोमवती और जगरानी मलबे में दब गईं। चीख-पुकार सुनकर दौड़े आसपास के लोगों ने मशक्कत के बाद दोनों को बाहर निकाला। दोनों को गंभीर हालत में सीएचसी ले जाया गया। वहां डॉक्टर ने जगरानी को मृत घोषित कर दिया। ननद को मेडिकल कॉलेज चिचौली भेज दिया गया।

परिजनों ने बताया कि महिला के चार बेटियां और दो बेटे हैं। सूचना पर कोतवाली पुलिस ने जांच के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। वहीं लेखपाल विशाल गुप्ता और प्रधान प्रतिनिधि गोपाल गुर्जर ने भी घटनास्थल का मुआयना किया। कोतवाली प्रभारी ललितेश नारायण त्रिपाठी ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। घायल महिला का इलाज चल रहा है।

सपा कार्यालय में बकरों की कुर्बानी पड़ी भारी, पार्टी के जिला महासचिव पर रिपोर्ट दर्ज

पीलीभीत में सपा के अस्थायी कार्यालय में बकरीद पर बकरों की कुर्बानी की गई। यह मामला सामने आने पर पुलिस ने सपा के जिला महासचिव के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है।पीलीभीत के केजीएन टू कॉलोनी में स्थित सपा के अस्थायी कार्यालय में बकरीद पर बकरों की कुर्बानी की गई। यह मामला सामने आने पर सिविल लाइन चौकी प्रभारी की ओर से कोतवाली में

संपत्ति के मालिक सपा के जिला महासचिव नफीस अहमद अंसारी के खिलाफ पशु क्रूरता की धाराओं में रिपोर्ट दर्ज की गई है।कोतवाली के सिविल लाइन चौकी प्रभारी ने कोतवाली में दर्ज कराई रिपोर्ट में कहा कि एक जून को वह अपने क्षेत्र में ड्यूटी पर थे। इसी दौरान उन्हें सूचना मिली कि केजीएन-1 कॉलोनी निवासी नफीस अहमद पुत्र रहीश अहमद अपने घर को सार्वजनिक स्थल सपा कार्यालय के रूप में संचालित कर रहे हैं। आरोप है कि बकरीद के दौरान 28 मई से 30 मई 2026 के बीच नफीस अहमद ने बकरों को रस्सी से बांधकर प्रताड़ित किया और बिना अनुमति सार्वजनिक रूप से कुर्बानी की। तहरीर में यह भी आरोप लगाया गया है कि उक्त कृत्य सार्वजनिक रूप से किया गया, जिससे कानून व्यवस्था और निर्धारित नियमों के उल्लंघन की स्थिति उत्पन्न हुई। सूचना मिलने के बाद पुलिस ने मामले का संज्ञान लेते हुए आरोपी सपा महासचिव नफीस अहमद के खिलाफ संबंधित धाराओं में अभियोग पंजीकृत कर लिया। कोतवाल परमेंद्र कुमार ने बताया कि मामले की जांच शुरू कर दी गई है।आठ माह पूर्व बनाया गया सपा का अस्थायी कार्यालय- शहर में दशकों से सपा का कार्यालय नकटादाना स्थित नगर पालिका के ईओ आवास में संचालित होता था। करीब आठ माह पूर्व ईओ आवास को खाली कराने के बाद पिछले दिनों नगर पालिका की ओर से भवन को जेसीबी से गिरा दिया गया था। आठ माह से सपा की ओर से सपा के जिला महासचिव शहर के केजीएन-1 निवासी सपा जिला महासचिव नफीस अंसारी के केजीएन टू कॉलोनी के गेट पर स्थित संपत्ति पर अस्थाई कार्यालय बनाया गया। इसमें सपा पदाधिकारियों की ओर से नियमित बैठक की जा रही है।

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच को जिला एवं तहसील स्तर पर ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन प्रतिनिधि चाहिए
9027776991
knlslive@gmail.com

मेधा का सम्मान, सपनों को नई उड़ान, मुख्यमंत्री ने मेधावी विद्यार्थियों को किया सम्मानित

क्यूँ न लिखूँ सच/ राजेंद्र विश्वकर्मा/ हाईस्कूल व इंटरमीडिएट के जनपद के टॉप-10 छात्र-छात्राओं को 21-21 हजार रुपए राशि से सम्मान और प्रोत्साहन, विकास भवन में हुआ सजीव प्रसारण प्रदेश के यशस्वी मा0 मुख्यमंत्री जी द्वारा आज लोक भवन सभागार, लखनऊ से आयोजित मेधावी छात्र सम्मान समारोह में माध्यमिक शिक्षा परिषद की हाईस्कूल एवं इंटरमीडिएट बोर्ड परीक्षाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों का सम्मान किया गया। प्रदेश स्तर पर कुल 1,682 मेधावी छात्र-छात्राओं, उनके अभिभावकों एवं प्रधानाचार्यों को सम्मानित करते हुए मुख्यमंत्री जी ने उन्हें उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं तथा शिक्षा को राष्ट्र निर्माण की सबसे बड़ी शक्ति बताया।

इस अवसर का सजीव प्रसारण जनपद जालौन में विकास भवन के रानी लक्ष्मीबाई सभागार में आयोजित कार्यक्रम के माध्यम से देखा गया। कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष डॉ. घनश्याम अनुरागी, सदर विधायक गौरी शंकर वर्मा, कालपी विधायक विनोद चतुर्वेदी, विधान परिषद सदस्य प्रतिनिधि आर.पी. निरंजन, मयंक त्रिपाठी, जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय, परियोजना निदेशक अखिलेश तिवारी, जिला विद्यालय निरीक्षक राजकुमार पंडित सहित बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं, अभिभावक एवं शिक्षकगण उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के दौरान जनपद जालौन के हाईस्कूल एवं इंटरमीडिएट परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले शीर्ष 10-10 विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। प्रत्येक मेधावी छात्र-छात्रा को 21,000 की प्रोत्साहन राशि प्रदान की गई, जिससे उनकी प्रतिभा को नई पहचान और आगे बढ़ने की प्रेरणा मिल सके।

हाईस्कूल परीक्षा में श्री बजरंग इंटर कॉलेज उरई के छात्र आदर्श दुबे ने 600 में 569 अंक प्राप्त कर जनपद में प्रथम स्थान प्राप्त किया, जबकि इंटरमीडिएट परीक्षा में ए0एम0वी0 इंटर कॉलेज जालौन के छात्र तनु खरे ने 500 में 459 अंक प्राप्त कर जनपद में शीर्ष स्थान हासिल किया।

जिला पंचायत अध्यक्ष डॉ. घनश्याम अनुरागी ने कहा कि प्रदेश सरकार प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को आगे बढ़ाने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। आज सम्मानित हो रहे छात्र-छात्राएं न केवल अपने परिवार बल्कि पूरे जनपद का गौरव हैं। उन्होंने विद्यार्थियों से निरंतर मेहनत और अनुशासन के साथ अपने लक्ष्य की प्राप्ति के लिए प्रयासरत रहने का आह्वान किया। सदर विधायक गौरी शंकर वर्मा ने कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार शिक्षा के क्षेत्र में ऐतिहासिक कार्य कर रही है। मेधावी विद्यार्थियों का सम्मान यह संदेश देता है कि प्रतिभा और परिश्रम का सदैव सम्मान होता है। उन्होंने विद्यार्थियों को उच्च लक्ष्य निर्धारित कर राष्ट्र निर्माण में अपनी भूमिका निभाने के लिए प्रेरित किया। कालपी विधायक विनोद चतुर्वेदी ने कहा कि शिक्षा ही वह माध्यम है जो व्यक्ति, समाज और राष्ट्र के भविष्य को नई दिशा देता है। उन्होंने सम्मानित विद्यार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह उपलब्धि उनके जीवन की नई शुरुआत है और उन्हें आगे भी उत्कृष्ट प्रदर्शन जारी रखना चाहिए। जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय ने जनपद के सभी मेधावी विद्यार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार प्रतिभा को सम्मान और अवसर दोनों प्रदान कर रही है। उन्होंने कहा कि यह सम्मान विद्यार्थियों के परिश्रम, अभिभावकों के त्याग तथा शिक्षकों के मार्गदर्शन का परिणाम है। उन्होंने विद्यार्थियों को भविष्य में भी उत्कृष्ट प्रदर्शन कर जनपद एवं प्रदेश का नाम रोशन करने के लिए प्रेरित किया।

जनप्रतिनिधियों ने मेधावियों को किया सम्मानित

क्यूँ न लिखूँ सच/ बदायूं मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश आज योगी आदित्यनाथ जी ने लखनऊ में आयोजित कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, आईसीएसई, सीबीएसई बोर्ड परीक्षा 2026 में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले 223 मेधावियों को प्रशस्ति पत्र, 1-1 लाख रुपए के प्रतीकात्मक चेक, टैबलेट देकर व पगड़ी पहनाकर सम्मानित किया। कार्यक्रम में बदायूं की प्रभारी मंत्री व प्रदेश सरकार में राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार माध्यमिक शिक्षा गुलाब देवी व लखनऊ की मेयर मौजूद रही। लखनऊ के कार्यक्रम के अतिरिक्त पूरे प्रदेश के सभी जनपदों में बदायूं के 20 सहित 1459 विद्यार्थियों को मेधावियों को सम्मानित किया गया। कुल 1682 मेधावियों को सोमवार को प्रदेश में सम्मानित किया गया है।

बदायूं में आयोजित कार्यक्रम में सदर विधायक महेश चंद गुप्ता ने कहा कि अच्छा सोचो तो अच्छा होगा, आज नहीं तो कल होगा। उन्होंने कहा कि भारत एक दिन विश्व गुरु बनेगा। उन्होंने कहा कि निरंतर परिश्रम व मेहनत से किए गए कार्य कभी असफल नहीं होता है। उन्होंने कहा कि अपना लक्ष्य निर्धारित कर आगे बढ़ने वालों की ईश्वर भी मदद करते हैं। उन्होंने अपना व्यक्तिगत प्रसंग भी इस अवसर पर उपस्थित मेधावियों से साझा कर उन्हें प्रेरित किया। बिल्सी विधायक हरीश शाक्य ने कहा कि विद्यार्थियों को अपने जीवन में लक्ष्य निर्धारित कर उस पर कड़ी मेहनत करनी चाहिए। उन्होंने सभी उपस्थित मेधावियों को सम्मानित होने पर बधाई दी। बदायूं में हाई स्कूल बोर्ड 2026 में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले मेधावियों में जनपद में प्रथम स्थान प्राप्त केदारनाथ महिला इंटर कॉलेज की छात्रा श्वेता, द्वितीय स्थान प्राप्त सिंगुलर गर्ल्स इंटर कॉलेज की अंजली वर्मा व द्रौपदी देवी सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज के अभिषेक चौहान, तृतीय स्थान प्राप्त शिव देवी सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज के लक्षित, चतुर्थ स्थान प्राप्त राजकीय कन्या इंटर कॉलेज बिसौली की अर्चना, अयोध्या प्रसाद एस वी एम एच एस एस उझानी के छात्र अमन राना, पांचवा स्थान प्राप्त संजय गांधी स्मारक श्री दुर्गा देवी इंटर कॉलेज रुदायन की पायल धनगर, अहमद हसन इंटर कॉलेज उसहैत के हर्षवर्धन, छठवा स्थान प्राप्त द्रौपदी देवी सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज की गौरी शर्मा व सातवां स्थान प्राप्त द्रौपदी देवी सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज के कार्तिक को सम्मानित किया गया। बदायूं में इंटरमीडिएट परीक्षा 2026 में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले मेधावियों में जिले में प्रथम स्थान प्राप्त पंडित भगवान दास मेमौरियल इंटर कॉलेज रुदायन के निखिल, द्वितीय स्थान प्राप्त राधेलाल इंटर कॉलेज कछला के सुधांशु, तृतीय स्थान प्राप्त पंडित भगवान दास मेमोरियल इंटर कॉलेज रुदायन के महेश, चतुर्थ स्थान प्राप्त त्रिवेणी इंटर कॉलेज भटपुरा बिसौली के उदित सक्सेना, पंचम स्थान प्राप्त पंडित भगवान दास मेमोरियल इंटर कॉलेज रुदायन की अंशी तिवारी, छठवां स्थान प्राप्त श्री कृष्ण इंटर कॉलेज बदायूं के लक्ष्यपाल, द्रोपदी देवी सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज के अनुज कुमार तथा पंडित भगवान दास मेमौरियल इंटर कॉलेज रुदायन की कनक शर्मा तथा सातवां स्थान प्राप्त संतोष कुमार मेमोरियल इंटर कॉलेज गंगोला दातागंज के सुरेंद्र व महात्मा गांधी पालिका इंटर कॉलेज उझानी के हिमांशु बघेल को जनप्रतिनिधियों व अधिकारियों ने सम्मानित किया। इस अवसर पर जिलाधिकारी अवनीश राय, मुख्य विकास अधिकारी गामिनी सिंगला, संयुक्त मजिस्ट्रेट, सहायक निदेशक सूचना आशुतोष चंदोला, जिला विद्यालय निरीक्षक लालजी यादव सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

मांग में सिंदूर भर प्रेमी बनाने लगा संबंध, गर्भवती हुई तो खिला दी गोली; फिर की ये डिमांड, सुन खौल जाए खून

पीड़िता का कहना है कि जब भी वह ससुराल ले जाने की बात करती, आरोपी बहाने बनाकर टाल देता था। इस बीच उसने कई बार शारीरिक संबंध बनाया और आपत्तिजनक वीडियो भी बना लिया।यूपी के गोरखपुर स्थित शाहपुर क्षेत्र की 22 वर्षीय युवती से शादी का मांग करने का मामला सामने आया है। आरोप है कि युवक ने फिर कई बार शारीरिक शोषण किया। विरोध करने पर अश्लील और उसके माता-पिता पर केस दर्ज- स्थानीय पुलिस से कार्रवाई शाहपुर पुलिस ने शनिवार युवक और उसके माता-पिता के खिलाफ था शादी का भरोसा- पुलिस के अनुसार, गुलरिहा क्षेत्र के एक कारण आना-जाना था। इसी दौरान दोनों की पहचान हुई। युवती में लिया। 15 सितंबर 2024 को वह उसे बुढ़िया माता मंदिर ले

झांसा देकर संबंध बनाने और बाद में दहेज में 10 लाख रुपये की मंदिर में जबरन मांग में सिंदूर भरकर विवाह का विश्वास दिलाया, वीडियो वायरल करने और जान से मारने की धमकी दी गई।युवक न होने पर पीड़िता ने एसएसपी से शिकायत की, जिसके बाद प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।विक्रम ने दिया गांव निवासी विक्रम चौहान का पीड़िता के पड़ोस में रिश्तेदारी के का आरोप है कि विक्रम ने शादी का भरोसा देकर उसे अपने झांसे गया। वहां मांग में सिंदूर भरकर विवाह का दावा किया और इसके बाद शारीरिक संबंध बनाने लगा।ससुराल ले जाने की बात पर बना देता था बहाने- पीड़िता का कहना है कि जब भी वह ससुराल ले जाने की बात करती, आरोपी बहाने बनाकर टाल देता था। इस बीच उसने कई बार शारीरिक संबंध बनाया और आपत्तिजनक वीडियो भी बना लिया। आरोप है कि वीडियो वायरल करने की धमकी देकर वह लगातार उसका शोषण करता रहा। गर्भवती हुई तो खिला दी दवा- युवती ने बताया कि बाद में कोर्ट मैरिज भी हुई, लेकिन इसके बावजूद आरोपी उसे अपने घर नहीं ले गया। इसी दौरान वह गर्भवती हो गई। आरोप है कि युवक ने दबाव बनाकर दवा खिलाई, जिससे गर्भपात हो गया। 10 लाख रुपये दहेज की मांग-पीड़िता के मुताबिक, जब उसने परिवार के सामने साथ रखने की मांग की तो आरोपी के माता-पिता और भाई ने दूसरी जाति का होने का हवाला देते हुए 10 लाख रुपये दहेज की शर्त रख दी। आर्थिक असमर्थता जताने पर उसे जातिसूचक शब्द कहे गए और जान से मारने की धमकी दी गई। पुलिस का बयान- युवती की तहरीर पर विक्रम चौहान, उसकी मां धनेशरा देवी, पिता अनिरुद्ध चौहान और भाई राजन के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है। मामले की जांच की जा रही है। -रवि सिंह, सीओ गोरखनाथ

शादीशुदा संग इश्क लड़ा रही थी महिला, पत्नी ने ऐसे उतारा प्यार का भूत; पति भी हो गया शर्म से पानी-पानी

आगरा के ताजगंज क्षेत्र में एक महिला ने अपने पति को कथित प्रेमिका के साथ देख लिया, जिसके बाद बीच सड़क पर दोनों महिलाओं के बीच जमकर हाथापाई हो गई। घटना का वीडियो राहगीरों ने बना लिया, जो अब सोशल मीडिया पर तेजी से वाला मामला सामने आया है। यहां एक पत्नी ने इसके बाद क्या था। पत्नी इस कदर भड़क गई कि बीच सड़क पर उसके साथ मारपीट शुरू कर दी। महिला के कपड़े तक फट गए, लेकिन उसका गुस्सा दृश्य देखा, तो वो भी तमाशा देखने के लिए खड़े हो गए। वहीं इस घटना का कुछ लोगों ने वीडियो बना मामला ताजगंज थाना क्षेत्र के टीडीआई माल के पति को उसकी प्रेमिका के साथ देख लिया। वो इस शुरू कीं। इसके बाद वो पति की प्रेमिका पर झपट

वायरल हो रहा है।उत्तर प्रदेश के आगरा जिले में हैरान कर देने अपने पति को उसकी प्रेमिका के साथ होटल में देख लिया। उसने किसी को नहीं देखा। वो पति की प्रेमिका पर टूट पड़ी। इस दौरान प्रेमिका ने भी अपने बचाव में हाथापाई की। इस दौरान शांत होने का नाम नहीं ले रहा था। यहां से गुजर रहे लोगों ने ये गए। पत्नी और प्रेमिका की लड़ाई के बीच पति के पसीने छूट लिया, जो अब शोसल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। ये पीछे का है। बताया जा रहा है कि यहां एक विवाहिता ने अपने कदर भड़क गई कि उसने पहले तो पति को खरी खोटी सुनाना पड़ी। उसने प्रेमिका के साथ हाथापाई शुरू कर दी।इस दौरान पत्नी ने प्रेमिका की स्कूटी को सड़क पर पटक दिया। फिर क्या था दोनों में मारपीट होने लगी। एक दूसरे को दोनों ही महिलाएं भद्दी-भद्दी गालियां देती नजर आईं। बीच सड़क पर दोनों में इस कदर मारपीट हुई कि लोगों की भीड़ जुट गई। मारपीट के दौरान एक महिला के कपड़े तक फट गए। वहीं वायरल वीडियो में ये भी देखा जा सकता है कि किस तरह प्रेमिका ने खुद के बचाव के लिए सड़क से ईंट उठा ली। हालांकि इस दौरान पति ने बमुश्किल दोनों को अलग करायापत्नी और प्रेमिका के बीच हो रही हाथापाई का राहगीर वीडियो बनाने में जुटे हुए थे, तो वहीं पति किसी भी तरह मामला शांत कराने के प्रयास में जुट गया। हालांकि लोगों द्वारा बनाया गया वीडियो अब तेजी से वायरल हो रहा है।

संक्षिप्त समाचार

फर्रुखाबाद शहर के पॉश इलाके में नरकीय जीवन जीने को मजबूर लोग

क्यूँ न लिखूँ सच/ फर्रुखाबाद नगरपालिका चीफ इंस्पेक्टर की भी बड़ी लापरवाही , चीफ इंस्पेक्टर शहर में सफाई के नाम पर लाखों का कर रहे गोलमोल फर्रुखाबाद नगर पालिका कई करोड़ खर्च करके

शहर के नालों की करवा रही सफाई फर्रुखाबाद नगर पालिका के चीफ इंस्पेक्टर बिजेंद्र कुमार शहर की साफ सफाई पर नहीं देते कोई ध्यान बीती रात आधे घंटे की बारिश के बाद शहर के नाले हुए चोक नाले चोक होने के बाद करीब एक दर्जन घर गंदे पानी के बीच घिरे गंदे पानी के भराव से लगभग एक दर्जन परिवारों में गंभीर बीमारी पैदा होने का खतरा मंडराया देर रात से लोग फर्रुखाबाद नगर पालिका में फोन करके कर रहे शिकायत लेकिन नहीं हो रही कोई कार्यवाही

फर्रुखाबाद शहर के पॉश इलाके में नरकीय जीवन जीने को मजबूर लोग

क्यूँ न लिखूँ सच/ फर्रुखाबाद नगरपालिका चीफ इंस्पेक्टर की भी बड़ी लापरवाही चीफ इंस्पेक्टर शहर में सफाई के नाम पर लाखों का कर रहे गोलमोल फर्रुखाबाद नगर पालिका कई करोड़ खर्च करके शहर के नालों की करवा रही सफाई फर्रुखाबाद नगर पालिका के चीफ इंस्पेक्टर बिजेंद्र कुमार शहर की साफ सफाई पर नहीं देते कोई ध्यान बीती रात आधे घंटे की बारिश के बाद शहर के नाले हुए चोक नाले चोक होने के बाद करीब एक दर्जन घर गंदे पानी के बीच घिरे गंदे पानी के भराव से लगभग एक दर्जन परिवारों में गंभीर बीमारी पैदा होने का खतरा मंडराया देर रात से लोग फर्रुखाबाद नगर पालिका में फोन करके कर रहे शिकायत लेकिन नहीं हो रही कोई कार्यवाही शहर कोतवाली क्षेत्र के दिल्ली ख्याली कुँचा का मामला प्रशासनटुएक्शन खामियां जिला लोकल आंधी

घटतौली का बीडीयो बनाने पर कोटेदार ने तोड़ दिया मोवाइल

क्यूँ न लिखूँ सच/ राजेंद्र विश्वकर्मा/ कोंच(जालौन)हाय रे प्रशासन अगर कोई बी डी ओ बनाकर अपनी बात साबित करना चाहता है तो उसका मोवाइल ही तोड़ दिया जाता है और अगर शिकायत मिलने पर अधिकारियों द्वारा कठोर कार्यवाही की जाए तो दोबारा कोई मोवाइल तोड़ने की हिम्मत न करे। मामला तहसील क्षेत्र के ग्राम बरोदा कला का है जहां के निवासी जगजीवन राम पुत्र हरनारायण अपना राशन लेने के लिए दिनांक 31 में 2026 को सुबह 10ः00 बजे कोटेदार मंसाराम अहिरवार पुत्र देव जू की दुकान पर गया था जहां कोटेदार का नाती अंकित भी बैठा था जब वह अपना राशन लेने लगा तो उसने देखा कि कोटेदार का नाती अंकित घटतोली कर रहा है जिस पर जगजीवन राम ने विरोध करते हुए उसका बी डी ओ बनाने लगा तो कोटेदार गाली गलौज पर उतर आया और नाती ने मोबाइल छीन कर तोड़ दिया जगजीवन राम ने यही बताया कि कोटेदार राशन सामग्री वितरण के लिए दो कांटे रखे हुए हैं जिससे घटतोली का कार्य करता है उक्त के संबंध में जगजीवन राम ने उप जिलाधिकारी हेमंत पटेल को शिकायती पत्र देते हुए उक्त कोटेदार व उसके नाती के खिलाफ समुचित कार्यवाही किये जाने की बात की है।

मिलने के बहाने प्रेमिका को बुलाया: नशा पिलाकर दोस्तों संग किया सामूहिक दुष्कर्म, इस हालत में घर पहुंची युवती

यूपी के बांदा जिले में युवती से सामूहिक दुष्कर्म का मामला सामने आया है। पुलिस ने चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। बांदा के शहर कोतवाली क्षेत्र में एक युवती के साथ सामूहिक दुष्कर्म का सनसनीखेज मामला सामने आया है। आरोप है कि युवती के प्रेमी ने पहले उसे मिलने के बहाने बुलाया और फिर अपने तीन दोस्तों के साथ मिलकर शराब व गांजा पिलाकर उसके साथ सामूहिक दुष्कर्म किया। पीड़िता की तहरीर पर पुलिस ने प्रेमी समेत चारों आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।शहर कोतवाली क्षेत्र के एक गांव की रहने वाली युवती का देहात कोतवाली क्षेत्र के महोखर गांव निवासी 19 वर्षीय आदित्य मिश्रा से प्रेम संबंध थे। रविवार को आदित्य ने उसे मिलने के लिए बुलाया और अपने तीन दोस्तों के साथ कार में युवती को लेकर दिनभर इधर-उधर घूमता रहा। शाम को सभी नवाब टैंक क्षेत्र पहुंचे, जहां युवती को जबरन शराब और गांजा पिलाया गया। ा छोड़कर फरार हो गए। देर रात किसी तरह घर पहुंची युवती ने अपने परिजनों को पूरी घटना की जानकारी दी। घटना सुनते ही परिजनों के होश उड़ गए और वे तत्काल बेटी को लेकर शहर कोतवाली पहुंचे। पुलिस ने युवती की तहरीर पर प्रेमी आदित्य मिश्रा व देहात कोतवाली क्षेत्र के महोखर गांव निवासी 24 वर्षीय अमित उर्फ बिल्लू, देहात कोतवाली क्षेत्र के कमनौड़ी निवासी 24 वर्षीय अनिल पाल उर्फ सौरभ उर्फ अवनीश व शहर कोतवाली क्षेत्र के जमनीपुरवा सड़क निवासी 20 वर्षीय सत्यम सिंह के खिलाफ सामूहिक दुष्कर्म समेत अन्य गंभीर धाराओं में प्राथमिकी दर्ज कर ली।

When and how to add yogurt to a vegetable? Keeping these 3 things in mind will prevent the gravy from spoiling.

When adding yogurt to a gravy, it's important to keep three key points in mind to prevent it from curdling. Everyone loves making delicious, creamy, and thick gravy at home, just like in a restaurant. We often add yogurt to enhance the flavor and texture of the gravy, but sometimes, a small mistake can cause the gravy to curdle, separating out its water, and all the hard work to go to waste. If this happens to you, you don't need to worry. Just keep these three simple tips in mind to make a great and perfect gravy. Never add very cold yogurt straight from the refrigerator - The biggest mistake we often make is adding yogurt directly from the refrigerator to a boiling vegetable. This sudden change in temperature can cause the yogurt to curdle immediately. What to do: Always take the yogurt out 15-20 minutes before adding it to the vegetable so that it can reach room temperature. Additionally, whisk the yogurt thoroughly in a saucepan before adding it to the curry so that it's completely smooth and lump-free. Reduce the heat to a minimum - Adding yogurt to a simmering gravy is a major risk. The high heat causes the yogurt's proteins to separate, causing it to curdle. What to do: Reduce the heat to a minimum just before adding the yogurt. You can also turn off the heat for a few seconds. When the boiling gravy has calmed down, slowly add the whisked yogurt. Continuous stirring is crucial - if you leave the curry aside after adding the yogurt, the gravy is sure to curdle. What to do: Don't stop stirring the curd as soon as you add it to the pan. Continue stirring with a ladle. Stir continuously until the gravy returns to a boil. Once it's boiling, increase the heat to high; the curd will never curdle. If you're new to cooking and worried about curds splitting, add half a teaspoon of gram flour or cornflour while whisking. This will thicken the gravy and eliminate the chance of curds splitting. The next time you make shahi paneer, dum aloo, or any other gravy-based dish, be sure to try these simple tricks. Everyone will appreciate the texture and flavor of your dish.

Why do seemingly inexpensive travel packages end up being expensive? Understand the whole game

Cheap travel packages that appear on social media often turn out to be expensive at the end of the trip. Whenever we scroll through social media or the internet, we often see advertisements like, "A great trip to Manali for just ?9,999!" or "The cheapest tour package in Dubai!" These offers can be tempting, and we immediately decide to book. However, are these packages really that cheap? In real life, when you go on a trip, you realize you've spent far more than you planned. Let's understand, in simple terms, the real game behind these cheap packages. The 'Hidden Expenses' Trap - The biggest trick behind cheap packages is that they only show you the base price. As soon as you reach the final booking page, various taxes, service charges, and convenience fees are added. In the case of international trips, visa and travel insurance costs are often not included in the package, which can be costly later. Flight and Luggage Issues - Often, cheap packages include tickets on airlines with unusual departure times (like 2 a.m. or 4 a.m.). Furthermore, the biggest scam involves luggage. You're only allowed to carry a cabin bag. If you arrive at the airport with a large bag, you'll have to pay a hefty extra fee. Hotels far from the city center - To keep the package affordable, travel agencies often book hotels that are far from the city's main market or tourist attractions. While the hotel may be cheaper, you'll end up spending so much money on cabs or taxis every day that it's as expensive as a hotel. Furthermore, your precious time is also wasted on the journey. Half-truths about food and sightseeing - "Breakfast Included" is a line in every cheap package, but what about lunch and dinner? You have to pay for it out of your own pocket. Furthermore, in the name of sightseeing, many places are only shown to you from the outside. You have to buy tickets to enter museums, forts, or other special attractions yourself. Sometimes, even the cost of a guide isn't included in the package. Airport transfers are not included in cheap packages. In an unfamiliar city or country, getting off the airport and taking a private taxi can cost you a hefty sum, something you weren't even considering. How to avoid this scam? Avoiding cheap travel packages isn't rocket science. Next time you see a tempting offer, don't pull out your credit card. Read the "Terms & Conditions" and "What's Not Included" sections of the package carefully. If you factor in these hidden charges upfront, you'll understand how cheap or expensive the package actually is. Be a smart traveler and spend your hard-earned money wisely.

Do you also get stressed over small things? These 7 easy mind hacks will instantly calm your mind.

Stress has a significant impact on our physical and mental health. Therefore, managing stress is crucial. Everyone is stressed these days. Work pressure, relationship problems, and worries about the future can make the mind restless. Prolonged stress can lead to a variety of physical and mental problems. Therefore, managing stress properly is crucial to maintaining your health. Let's learn about some methods that can greatly help you manage stress. What to do to manage stress? Practice deep breathing - When stress or anger increases, instead of reacting immediately, pause and take a deep breath. This calms your nervous system and helps your mind think clearly. Therefore, spend a few minutes every day practicing deep breathing exercises, such as inhaling for 4 seconds, holding for 6 seconds, and exhaling for 8 seconds. This relaxes both the body and mind. Always focus on the present - Most stress comes from worrying about the past or the future. Teach yourself to live in the present. Feel every action while eating, walking, or working. This mindfulness technique is extremely effective in reducing stress. Plan your day - When there's no schedule for the day, the workload seems overwhelming. Take 10 minutes every morning to prioritize your tasks. Make a list of important tasks and complete them one by one. Drink plenty of water and eat a healthy diet - During stress, the hormone cortisol increases in the body, which reduces energy levels. Consume water and healthy foods like fruits, salads, oats, and nuts. Avoid caffeine and junk food. Talk positively to yourself - Negative thoughts increase stress. Therefore, practice self-talk to calm your mind. Get in touch with nature - Spend some time every day in the open air, such as sitting in a park or garden. Spending a few minutes among plants, air, and sunlight instantly lifts your mood. Research shows that being in nature increases dopamine and serotonin, which are happiness hormones. Prioritize good sleep and rest – Getting enough sleep is essential during times of stress, as a tired mind can exacerbate stress. Turn off screens, listen to soft music, or meditate before bed. Sleeping for 7-8 hours every day keeps you mentally strong.

Ranbir Kapoor's bad habits changed as soon as he played 'Shri Ram' on screen, saying, "This is what I needed."

Ranbir Kapoor has spoken about his upcoming film, Ramayan, saying that the mythological film changed his life forever. Bollywood's most anticipated film, Ramayan, is making headlines these days. Meanwhile, Ranbir and his character. He said that the joint interview with Nitesh Tiwari, Ramayan changed his life. interview with Top Magazine, a life-changing decision for him. He career-defining move for my defining. It changed my life. It Ramayana and the journey of said, "I think it brought many habits changed. It completely life, loss, sacrifice, and religion, in my life." Ranbir Kapoor a better person. He added, "It was Ramayan made me a better a better person for Ramayan, so said, I was in the right place at the being made on our truth, our

Kapoor recently spoke about Ramayan film has changed his value system. In a Ranbir Kapoor revealed how Ramayan changed Ranbir's life - In an Ranbir explained how Ramayan was said, "I had no idea that it would be a career, but it definitely proved to be life-brought me closer to understanding the Lord Rama." Ranbir Kapoor further positive changes in my life. My bad changed my values, my perspective on and I think that's what I really needed further added that Ramayan made him a very beautiful coincidence in my life. person, and Ramayan wanted me to be everything was interconnected. As I right time when such a big film was culture, and our history, in the most authentic way. It was a blessing, and I will be grateful for it for the rest of my life."

Ulka Gupta, who was replaced by a star kid in films, said, "The disadvantages of not having a godfather."

Actress Ulka Gupta explained how she was replaced by a star kid after The Kerala Story 2. Actress Ulka Gupta established her place in films after playing Manu (the childhood name of the Queen of Jhansi) in the serial "Jhansi Ki Rani." She gained considerable attention after The Kerala Story 2, released last February. She will now be seen playing the heroine Rajni in the film Rajni Ki Baraat, releasing on May 29th. Delayed release: Ulka, who has worked in both Hindi and South Indian films, explains, "I did Rajni Ki Baraat before The Kerala Story 2. Since it was an independent film, my producers took time to decide when to release it. After The Kerala Story 2, they felt this would be a better time to release it." Remove Ads - Read News Only Ulka's reaction to playing a strong character: After the serial Jhansi Ka Rani and the film The Kerala Story, Ulka is once again playing a fearless girl. She says, "I think there's something about my personality that makes me think whenever filmmakers look for an actress for a bold or courageous role, my name is always mentioned. It's God's blessing that I got a role like Jhansi Ki Rani at such a young age. Directors have offered me many different roles, but I enjoy playing strong and fearless girls. It's not easy to transition from TV to films and play such roles." Ulka wants to take her own wedding procession in real life - Talking about her wedding procession fantasies, Ulka says, "If I get a chance, I too would like to take my wedding procession like Rajini. I am a dancer, all the people in my wedding procession will be dancers. Meaning, they will outperform the people from the groom's side in dancing. Otherwise, I would not like to take my wedding procession on a horse or mare. I do not like to trouble animals." Has been replaced by a star kid - Even after The Kerala Story 2, Ulka's journey did not become easy. She explains, "Sometimes, not having the backing of a big agency or a godfather in the industry can lead to some setbacks. After The Kerala Story 2, I got calls from two big production houses. I even auditioned for them. Despite being qualified for the role and having workshops with the director, I was eventually replaced in favour of a star kid. So, I often found the path a bit difficult because of nepo kids (children of actors or actresses) or actors associated with big agencies."

People danced to this song 23 years ago, and even today, this cult song by Sunidhi Chauhan is the life of parties.

23 years ago, a suspense thriller was released that flopped at the box office, but it became such a huge hit that it's still played at parties. There are many songs that, no matter how many years have passed since their release, their lyrics remain on fans' lips. They hear the beginning of the song and then start humming it. A similar film was released 23 years ago, a suspense drama. This film featured a total of eight songs, some of which were hits and some flops. However, there's one song from the film that remains etched in listeners' minds even after 23 years. The famous song we're talking about, even today, if played at a party, people can't stop themselves from dancing. Even after 23 years, this song sounds absolutely fresh. The song we're referring to in this article is from the 2003 suspense thriller film "Kuch Toh Hai," starring actors like Tusshar Kapoor, Esha Deol, and Anita Hassanandani. The film flopped at the box office, but some of its songs became popular. Some of the movie's popular songs were "Haye Re," "Kya Pyar Karoge Mujhse," and "Aisa Kyon Hota Hai." However, the most popular song from the film in the 2000s was "Tere Ishq Ki Deewangi Sar Pe Chadke Bole... Dil Ding Dong Ding Dole." This song was a pop song and was filmed on Tusshar Kapoor and Anita Hassanandani. These singers created a chartbuster - 'Ding-Dong Dole' was a big hit of that era. When the audio version of this song was posted on T-Series' YouTube channel after many years, it was listened to by more than 16 crore people. KK and Sunidhi Chauhan gave their powerful voice to this party favorite song. Apart from this, the music director of the entire album was Anu Malik and the lyrics were written by Sameer. Talking about the film Kuch To Hai, its story was about revenge and jealousy. Apart from these three stars, Rishi Kapoor also played an important role in the movie, in which he played the role of a mad professor.